केन्द्रीय विद्यालय,क्रमांक- 04
ओ.एन.जी.सी.वडोदरा,
अहमदाबाद संभाग

NEP 2020

Kendriya Vidyalaya No.04,
O.N.G.C.Vadodara Ahmedabad Region

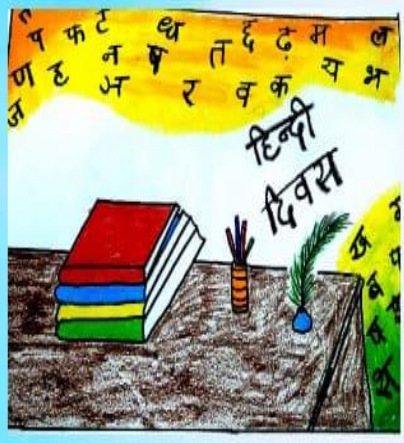

विद्यालय ई पत्रिका

2021-22

अनुक्रमणिका

पृष्ठ सं	विषय
1	संपादक –मंडल
2	संरक्षक पृष्ठ
3	सन्देश –अध्यक्ष –वि प्र समिति
4	सन्देश –उपायुक्त
5	प्राचार्य की कलम से
6	सम्पादकीय
7	विद्यालय –परिचय
8	परीक्षा –परिणाम
9	विद्यालय के चमकते सितारे (छात्र –उपलब्धि)
10-21	रिपोर्ट / प्रतिवेदन
22-47	विविध गतिविधियों की झलक
48-79	रचनात्मक अभिव्यक्ति – हिंदी विभाग
80-89	संस्कृत –विभाग
90-105	अंग्रेजी -विभाग
106-127	प्राथमिक विभाग
128	स्टाफ फोटो

संपादक –मंडल

शिक्षक संपादक

डॉ. आर.के. गुप्ता
पीजीटी हिंदी
हिंदी अनुभाग

श्रीमती जतिंदर कौर
पीजीटी अंग्रेज़ी
अंग्रेज़ी अनुभाग

सुश्री जिज्ञा मकवाना
टीजीटी संस्कृत
संस्कृत अनुभाग

श्रीमती सुजा प्रसाद
पीआरटी
प्राथमिक अनुभाग

श्रीमती तरुना माथुर
टीजीटी कला शिक्षा
कला विभाग

छात्र संपादक

श्रेया सिंह
कक्षा 9

अभिनव मिश्रा
कक्षा 8

हितिका सिंह
कक्षा 10

उमंग गुप्ता
कक्षा 8

रुचिता गोरु
कक्षा 11

मुख्य संरक्षक

सुश्री निधि पांडे , आई.आई.एस

आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली

संरक्षक

श्रीमती श्रुति भार्गव

उपायुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
अहमदाबाद संभाग,
अहमदाबाद

श्री कुश राजकेशरी सिंह

अध्यक्ष –विद्यालय प्रबंधन
समिति केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4,
ओ एन जी सी, वड़ोदरा
(गुजरात)

श्रीमती विनीता शर्मा

सहायक आयुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन,
अहमदाबाद संभाग,
अहमदाबाद

सुश्री अपराजिता

प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय क्र. 4,
ओ एन जी सी, वड़ोदरा
(गुजरात)

सन्देश –अध्यक्ष –वि प्र समिति

कुश राजकेशरी सिंह
कार्यकारी निदेशक - द्रोणी प्रबंधक

Kush Rajkeshari Singh
Executive Director -Basin Manager

ऑयल एण्ड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड
पश्चिमी अभितट द्रोणी, मकरपुरा रोड, वडोदरा-३९० ००९

Oil and Natural Gas Corporation Ltd
Western Onshore Basin, Makarpura Road,
Vadodara - 390 009. Gujarat, INDIA
Phone : +91 265 2638864, Fax : +91 265 2641260
Mobile : +91 - 99692 24525 | E-mail : singh_krk@ongc.co.in

संदेश

"आ नो भद्राः क्रतवः यन्तु विश्वतः ||"
LET THE NOBLE THOUGHTS COME FROM ALL SIDES

किसी भी राष्ट्र के नागरिकों का निर्माण विद्यालय के कक्षा-कक्षों में होता है | यही वह स्थान है जहाँ विद्यार्थी के व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है | बच्चा जब विद्यालय में प्रवेश करता है तो उसका स्वरुप गीली मिट्टी के सामान होता है | शिक्षक ही कुम्भकार के रूप में उस गीली मिट्टी रूपी बच्चे के व्यक्तित्व को सही स्वरुप प्रदान करता है और उसे सजाता सँवारता है | यही कारण है कि शिक्षाविदों, मनोवैज्ञानिकों एवं विद्वानों ने चरित्र-निर्माण को ही शिक्षा का वास्तविक लक्ष्य स्वीकार किया है |

विद्यालय में अध्ययन- अध्यापन के अतिरिक्त विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा का विकास होता है | विद्यालय के शिक्षक प्राचार्य के कुशल निर्देशन एवं नेतृत्व में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चरित्र-निर्माण के साथ उनके जीवन के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण देने का प्रयास कर रहे हैं | विद्यार्थी भी विद्यालय द्वारा समय समय पर आयोजित विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं | कोरोना महामारी के कारण विगत दो वर्षों से विद्यालय ने ऑनलाइन मोड़ में गतिविधियों को सफलतापूर्वक आयोजित कर विद्यार्थियों के समग्र विकास का प्रयास किया है, जो वस्तुतः प्रशंसनीय है |

विद्यालय- पत्रिका विद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक एवं सह- शैक्षणिक गतिविधियों को प्रतिबिम्बित करने का सशक्त माध्यम है | प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यालय अपनी ई-पत्रिका -2022 प्रकाशित करने जा रहा है | इस अवसर पर मैं विद्यालय की प्राचार्य सुश्री अपराजिता, सम्पादक-मंडल, समस्त शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ और अपेक्षा करता हूँ कि आगामी शैक्षणिक सत्र- 2022-23 में भी इसी प्रकार विद्यालय प्रगति की ओर अग्रसर रहेगा |

कुश राजकेशरी सिंह
अध्यक्ष - विद्यालय प्रबंध समिति

सन्देश –उपायुक्त

श्रुति भार्गव
Shruti Bhargava
उपायुक्त/Deputy Commissioner

केंद्रीय विद्यालय संगठन
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
अहमदाबाद संभाग/Ahmedabad Region
Sector-30, Gandhinagar (Guj) - 382030

D.o. No. F.12029/संदेश/2022/ केविसं/क्षेका/अ'बाद

दिनांक: 14.09.222

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय क्र 4, ओ एन जी सी, बड़ोदा शैक्षणिक सत्र -2021-22 केलिए विद्यलाय पत्रिका के ई संस्करण का प्रकाशन करने जा रहा है | विद्यालय पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मक एवं सह-शैक्षिणक गतिविधियों का प्रतिबिम्ब होती है | पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा का साक्षात्कार किया जा सकता है, अतः पत्रिका विद्यालय की अमूल्य निधि है

मैं, विद्यालय पत्रिका के ई-संस्करण प्रकाशन को सफल बनाने के लिए विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों, स्टाफ एवं विद्यार्थियों के सृजनात्मक और रचनात्मक योगदान देने एवं प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग प्रदान के लिए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ और उनका अभिनंदन करती हूँ |

(श्रुति भार्गव)

सुश्री अपरजिता
प्राचार्य,
केंद्रीय विद्यालय,
न.4, ओएनजीसी, बड़ोदा |

प्राचार्य की कलम से

मेरे लिए यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि केन्द्रीय विद्यालय, क्रमांक- 04 ओ.एन.जी.सी. प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अपनी वार्षिक पत्रिका प्रकाशित कर रहा है | मैं हमेशा इस विचार से प्रभावित होती रही हूँ कि घर, पहला विद्यालय है और विद्यालय, दूसरा घर। यह सच दिखा जब कोविड-19 के प्रकोप से हर घर विद्यालय हो गया और अभिभावक शिक्षकों के साथ मिलकर बच्चों को वहीं शिक्षा देता रहा । मैं इस सब के लिए विद्यालय शिक्षकों और अभिभावकों को पूरी तरह से धन्यवाद देना चाहूँगी ।

'विद्यालय-पत्रिका' एक विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का दर्पण होती है | विद्यालय में शिक्षण कार्य के साथ-साथ छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अन्य गतिविधियाँ भी चलती रहती हैं | इस पत्रिका के माध्यम से आप अवगत हो सकेंगे कि विद्यालय में विपरीत परिस्थितियों में भी हमारे विद्यार्थियों ने अपना हौंसला बनाए रखा और प्रत्येक सप्ताह होने वाली प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे और अपनी प्रतिभा को निखारते रहे।

2020 की नई "राष्ट्रीय शिक्षा-नीति" को लागू करने में भी विद्यालय सतत प्रयासरत है, ताकि हमारे बच्चे भी अपने हजारों साल की संस्कृति को सँजोकर एवं भविष्य में दुनिया के विकसित देशों के व्यक्तियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सकें। हमारा निश्चय है कि हम अपने विद्यार्थियों को उत्कर्ष शैक्षिक वातावरण प्रदान करें जो उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम एवं स्वावलंबी भारतीय नागरिक के रूप में उनका निर्मित कर सके | इस सकारात्मक अपेक्षा के साथ विद्यालय की वार्षिक ई पत्रिका के प्रकाशन के इस शुभ अवसर पर समस्त विद्यार्थियों, अभिभावकों, कर्मचारियों और शिक्षकों को शुभकामनाएँ |

सुश्री अपराजिता

सम्पादकीय

इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है | नाव जर्जर ही सही लहरों से टकराती तो है ||
एक चिंगारी कहीं से ढूंढ लाओ साथियों | इस दिए में तेल से भीगी हुई बाती तो है ||

कविता की ये पंक्तियाँ जीवन में सकारात्मक सोच को विकसित करने करने के साथ ही अनुकूल परिस्थितियों में उचित प्रयास करने की शिक्षा देती है | सही समय पर लिया गया सही निर्णय और तदनुरूप उठाया गया सही कदम ही जीवन की सफलता रहस्य है | अतः विद्यार्थियों को समय का मूल्य पहचान कर उसका प्रत्येक क्षण विद्यार्जन और ज्ञानार्जन हेतु व्यतीत करना चाहिए | संस्कृत की सूक्ति भी इसी तथ्य का समर्थन करती है – "क्षण त्यागे कुतो विद्या ?" कहा जाता है कि बीता हुआ समय वापस कभी नहीं आता | अतः समय का सदुयोग करके ही जीवन में लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है |

कोविड-19 के कारण जब सम्पूर्ण देश में लॉक डाउन लगा तब इसी समय के मूल्य को पहचानते हुए केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से न केवल अध्ययन- अध्यापन आरम्भ किया अपितु समस्त शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन भी सफलतापूर्वक किया |
विद्यालय की इस ई पत्रिका 2021-22 के संस्करण में विद्यार्थियों की विविधरूपा गतिविधियों का ऑनलाइन संचालन किया गया जिसमें उनकी चहुमुखी प्रतिभा का चरमोत्कर्ष स्पष्टतः प्रतिबिंबित होता है | विद्यार्थियों की इसी प्रतिभा का दिग्दर्शन करवाने के लिए प्रतिवर्ष विद्यालय की ई-पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है |

प्रस्तुत विद्यालय पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट, फोटो और विचारात्मक लेखों के माध्यम से वर्षभर आयोजित विभिन्न गतिविधियों का प्रत्यक्षीकरण किया जा सकता है | इस पत्रिका में उपलब्ध सामग्री निश्चितरूप से उपयोगी और सार्थक सिद्ध होगी, ऐसा मेरा विशवास है |

इस पत्रिका के ई प्रकाशन हेतु मै संपादक मंडल की ओर से विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्रीकुशराज केसरीसिंह, अहमदाबाद संभाग के उपायुक्त श्रीमती श्रुति भार्गव, सहायक आयुक्त श्रीमती विनीता शर्मा और विद्यालय की प्राचार्य सुश्री अपराजिता के प्रति ह्रदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिनके अमूल्य मार्गदर्शन और प्रेरणा से इस पत्रिका का कलेवर तैयार हुआ है | इस पत्रिका को पाठक-वर्ग को समर्पित करते हुए मुझे अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है |

डॉ राजेश कुमार गुप्ता
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)

विद्यालय –परिचय

ओएनजीसी प्रांगण में स्थित केंद्रीय विद्यरलय क्र 4, वडोदरा नगर के सी बी एस ई के प्रतिष्ठित विद्यालयों में अग्रगण्य है|

- यह विद्यालय अहमदाबाद संभाग के अंतर्गत ओएनजीसी द्वारा प्रायोजित है जिसकी स्थापना 1993 में हुई थी ।
- वर्तमान में इस विद्यालय में लगभग 365 छात्र- छात्राएं अध्ययनरत हैं |
- इसमें प्राचार्य सहित शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक स्टाफ की संख्या 20 है |
- इस विद्यालय में कक्षा 3 से 11 तक के छात्र अंग्रेजी माध्यम से पढ़ते हैं|
- इस विद्यालय में 2 कंप्यूटर लैब उपलब्ध हैं ।
- इस विद्यालय में छात्रों के लिये 1 अटल टिंकरिंग प्रयोगशाला उपलब्ध हैं ।
- कक्षा 11वी में विज्ञान वर्ग़ में ही अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है ।
- विद्यालय में एक दृष्य श्रव्य कक्ष भी उपलब्ध है ।

परीक्षा –परिणाम

RESULT OF SCHOOL (NON-BOARD CLASSES)
SESSION 2021-22

S.NO	CLASS	TOTAL STRENGTH	NUMBER OF STUDENTS PASSED	PASS PERCENTAGE
1	II	53	53	100
2	III	46	46	100
3	IV	41	41	100
4	V	46	46	100
5	VI	41	41	100
6	VII	47	47	100
7	VIII	49	49	100
8	IX	49	48	97.95

RESULT OF SCHOOL (BOARD CLASSES)
SESSION 2021-22

S.NO	CLASS	TOTAL STRENGTH	NUMBER OF STUDENTS PASSED	PASS PERCENTAGE
1	X	42	36	85.71
2	XII	38	35	92.1

विद्यालय के चमकते सितारे (छात्र –उपलब्धि)

सी बी एस सी में कक्षा –12 की परीक्षा-2021-22 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्र / छात्रा.

TOPPERS (CLASS-XII)

अनुष्का द्विवेदी
95.6%

भाविन जैन
94.6%

अनीशा मीणा
93.8%

सी बी एस सी में कक्षा –10 की परीक्षा-2021-22 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्र / छात्रा

TOPPERS (CLASS-X)

गोरू रुचिता भव्यश्री
96.4%

केतन सिन्हा
95%

परमार हर्ष किरीटकुमार
94.2%

राधिका एस पुरोहित
94.2%

अंग्रेजी विभाग

भाषा का अध्ययन ही अन्य सभी विद्याओं का आधार है। भाषा हमें मानव के रूप में परिभाषित करती है। मानव होना भाषा का उपयोग करना है और बात करना एक व्यक्ति होना है। भाषा संचार का माध्यम है। अंग्रेजी संचार का एक शक्तिशाली वाहन है जो भारत जैसे बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी समाज में एक मध्यस्थ भाषा के रूप में कार्य करता है और वैश्विक भाषाई के रूप में भी कार्य करता है।

भारत में अंग्रेजी पढ़ाने का उद्देश्य छात्रों को अंग्रेजी की व्यावहारिक कमान हासिल करने में मदद करना है यानी छात्रों को बोली जाने वाली अंग्रेजी समझने, अंग्रेजी बोलने, अंग्रेजी पढ़ने और अंग्रेजी लिखने में सक्षम होना चाहिए। छात्र सामान्य बातचीत, अभिवादन के आदान-प्रदान, आदेश और निर्देश प्राप्त करने, व्याख्यान सुनने, वार्ता आदि में आवश्यक बोली जाने वाली अंग्रेजी को समझने में सक्षम होना चाहिए। यदि हम अपने छात्रों को अंग्रेजी समाचार, वार्तालाप सुनने का अवसर देते हैं, तो यह योग्यता प्राप्त की जा सकती है जैसे लघुकथा का वर्णन, व्यापार वार्ता, आदि।

सत्र 2021-22 के दौरान अंग्रेजी में कई गतिविधियों का आयोजन किया गया है जैसे:

1-कविता पाठ
2-प्रश्नोत्तरी
3-बहस
4-भाषण
5-बस एक मिनट
6-समाचार प्रस्तुति
7-कहानी सुनाना
8-सुनना (एएसएल)
9-निबंध लेखन
10-पीपीटी प्रस्तुति

जतिंदर कौर
(पीजीटी अंग्रेजी)

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

कला विभाग

विद्यालय में 2021-22 का सत्र मुख्यतः ऑनलाइन पढ़ाई का रहा | अतः विद्यालय की कला की कक्षाएं भी ऑनलाइन माध्यम से कराई गईं। किंतु रंगों से खेलना बच्चों का रूचिकर विषय रहता है, अतः बच्चों ने उत्साह से अपनी रचनात्मकता दिखाई और विद्यालय स्तर पर तथा,राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आनलाईन होने वाली गतिविधियों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कैमलिन की ओर से आयोजित फल्यूड चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यालय के तीन कला विद्यार्थियों लक्ष्य कक्षा VIII,देओल भट्टाचार्य, कक्षा X,तथा जेनिसी सोलंकी कक्षा V, ने पुरस्कार जीते।

"आज़ादी का अमृत महोत्सव" में होने वाली विविध कला गतिविधियों में विद्यालय स्तर पर कई प्रतियोगिताएं कराई गईं | बच्चों ने विभिन्न आयामों में कई पुरस्कार जीते । भारतीय सैनिकों के लिए बच्चों ने अपने हाथ से बनाई गई कलाकृतियों को उनके उत्साहवर्धन के लिए भेजा ।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत "के कार्यक्रम में बच्चों ने संलग्न राज्य छत्तीसगढ़ की लोक कला कृतियों को बनाने में रुचि दिखाई और मूर्तिकला में भारतीय खिलौना को बनार्ने में स्वयं की रचनात्मकता का परिचय दिया ।

"परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम ",नई दिल्ली की चित्रकला प्रदर्शनी में विद्यालय की छात्रा रूचिता गोरू कक्षा X, के "पेंसिल पोट्रेट" की प्रधानमंत्री "श्री नरेंद्र मोदीजी" ने भी भूरी भूरी प्रशंसा की ।यह अन्य बच्चों के लिए भी प्रोत्साहित करने का विषय बना।

डॉ तरुणा माथुर
कला शिक्षिका

कंप्यूटर विभाग

सत्र 2021-22 में मुख्यतः ऑनलाइन माध्यम का प्रयोग किया गया | पढाई तथा अन्य गतिविधियां ऑनलाइन माध्यम से कराई गईं। इन सभी में कंप्यूटर विभाग की विशेष भूमिका रही है ।

शिक्षण कार्य सुचारु रूप से चलाने के लिये शिक्षकों ने कंप्यूटर, आई पैड, वेब कैमरा, इंटर्नेट आदि का अधिकाधिक उपयोग किया |
गूगल मीट ने शिक्षक और छात्रों के फासले को कम करने में बहुत मदद की । वहीं गूगल क्लासरूम के ज़रिये अध्ययन सामग्री छात्रों तक बखूबी पहुचाई गई ।

हुमा यासमीन
(पीजीटी कंप्यूटर साइंस)

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

हिंदी पखवाड़े का प्रतिवेदन

विद्यालय में हिंदी पखवाड़ा 14 सितंबर, 2021 से 28 सितंबर, 2021 तक मनाया गया जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए विभिन्न गतिविधियां एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई | विद्यार्थियों के लिए प्राथमिक विभाग और सेकेंडरी विभाग के लिए अलग अलग प्रतियोगिताएं ऑनलाइन मोड़ में आयोजित की गई | पखवाड़े के अंतर्गत,प्राथमिक विभाग में श्रुतलेख, हिंदी काव्य पाठ, हिंदी सुलेख और आशु भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई | श्रुतलेख प्रतियोगिता में कक्षा चतुर्थी की निहारिका और कक्षा पांचवी की गौरवी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया | हिंदी काव्य पाठ के अंतर्गत कक्षा द्वितीय के हिरवा, कक्षा तृतीय के आदर्श, कक्षा चतुर्थ के आर्य और पंचम के अर्णव ने प्रथम स्थान प्राप्त कर पुरस्कार जीता | हिंदी सुलेख प्रतियोगिता में कक्षा चतुर्थ के ईशान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और आशु भाषण प्रतियोगिता में कक्षा द्वितीय की मिशिका सिंह और कक्ष तृतीय के आदर्श ने प्रथम स्थान प्राप्त किया |

सेकेंडरी विभाग में पखवाड़े के अंतर्गत काव्य पाठ, कहानी कथन, राजभाषा प्रश्नोत्तरी और आशु भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गई | काव्य पाठ में कनिष्ठ वर्ग के अंतर्गत कक्षा अष्टमी की श्रेया सिंह और वरिष्ठ वर्ग में हृतिका सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त कर पुरस्कार प्राप्त किया | कहानी कथन प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग के अंतर्गत कक्षा सप्तमी की दिशा पटेल ने प्रथम और अष्टमी की श्रेया सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया | इसी प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में कक्षा 10वीं की हर्षिता ने प्रथम और रेवंत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया | राजभाषा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग के अंतर्गत कक्षा छठी की छात्रा समृद्धि पाराशर ने प्रथम एवं कक्षा सातवीं के उमंग गुप्ता ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया | इसी प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग के अंतर्गत कक्षा 12वीं की प्रिंसी और दसवीं के अक्षित कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया | आशु भाषण प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग के अंतर्गत सप्तमी के उमंग गुप्ता ने प्रथम और दिशा पटेल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया | वरिष्ठ वर्ग में कक्षा नौवीं के छात्र निहार रंजन ने प्रथम एवं हृतिका सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर पुरस्कार प्राप्त किया |

शिक्षकों के लिए वर्ग पहेली एवं राजभाषा तकनीकी शब्दावली की प्रतियोगिता आयोजित की गई एवं विजेता समस्त शिक्षकों को पुरस्कृत किया गया |

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

संसदीय राजभाषा निरीक्षण

विद्यालय का संसदीय राजभाषा निरीक्षण 1 नवम्बर, 2021 को संपन्न हुआ | यह निरीक्षण संसदीय राजभाषा समिति की पहली उपसमिति द्वारा किया गया जिसकी अध्यक्षता पहली उपसमिति के संयोजक राज्यसभा सांसद माननीय श्री रामचन्द्र जांगडा ने की | राजभाषा निरीक्षण के समय लोकसभा सांसद माननीय श्री श्रीरंग आप्पा वारणे, राज्यसभा सांसद माननीय श्री हरनाथ सिंह यादव, लोकसभा सांसद माननीय श्री श्यामसिंह यादव, लोकसभा सांसद माननीय श्री धर्मेन्द्र कश्यप, राज्यसभा सांसद माननीय श्री इरन्न कडाडी की भी गरिमामयी उपस्थिति रही | गृहमंत्रालय के राजभाषा निरीक्षण समिति के सचिव श्री धर्मराज खटीक, अवर सचिव श्री रामेश्वर लाल मीना, अनुभाग अधिकारी विक्रांत भाटिया, रिपोर्टर सहदेव सिंह और सहायक मुकेश कुमार निरीक्षण के समय उपस्थित रहे |

विद्यालय के संसदीय राजभाषा निरीक्षण के समय शिक्षा-मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से संयुक्त सचिव श्री सईद इकराम रिज़वी, केन्द्रीय विद्यालय संगठन (मुख्यालय) के संयुक्त आयुक्त श्री एस एस रावत, अहमदाबाद संभाग के उपायुक्त श्री जयदीप दास की भी गरिमामयी उपस्थिति रही | विद्यालय की प्राचार्य सुश्री अपराजिता ने संसदीय राजभाषा समिति की पहली उपसमिति के संयोजक एवं अध्यक्ष द्वारा किये गए समस्त प्रश्नों के उत्तर दिए | समिति द्वारा दिए गए परामर्श एवं निर्देशों की अनुपालना का संकल्प प्राचार्य महोदया द्वारा समिति के समक्ष किया गया | प्राचार्य महोदया ने कार्यालयीय कार्य में राजभाषा के प्रयोग को बढाने का आश्वासन भी दिया |

पुस्तकालय

पुस्तकालय में कुल 3876 पुस्तकें हैं। इस पुस्तकालय में अंग्रेजी में 1541 पुस्तकें और हिंदी में 2235 पुस्तकें हैं। पत्रिकाओं, कहानी की किताबें और रोजगार समाचार विद्यालय द्वारा सदस्यता ली जाती है |150 किताबें इस वर्ष में विद्यालय द्वारा खरीदी गई थीं। विद्यालय द्वारा अधिकतम हिंदी पुस्तकें खरीदी गई थीं। योजना हिंदी/अंग्रेजी, कुरुक्षेत्र हिंदी/ अंग्रेजी, बाल भारती हिंदी, रोजगार समाचार पत्रिकाए को विद्यालय द्वारा मंगवाए जाती है।

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

संस्कृत सप्ताह का प्रतिवेदन

विद्यालय में संस्कृत सप्ताह 19 अगस्त , 2021 से 25 अगस्त, 2021 तक मनाया गया जिसमें विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियां एवं प्रतियोगिताएं आयोजित की गई | विद्यार्थियों के लिए कनिष्ठ वर्ग और वरिष्ठ वर्ग के लिए अलग अलग प्रतियोगिताएं ऑनलाइन मोड़ में आयोजित की गई | सप्ताह के अंतर्गत, कनिष्ठ एवं वरिष्ठ विभाग में श्लोकपाठ, प्रश्नोत्तरी, कहानी कथन , निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई | श्लोकपाठ प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग से कक्षा छठी की समृद्धि परासर और वरिष्ठ विभाग से कक्षा 10वीं की राधिका पुरोहित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया | प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के अंतर्गत कनिष्ठ वर्ग से कक्षा सातवीं के सौरभ मीना ,और वरिष्ठ वर्ग से कक्षा दसवीं के हर्ष परमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर पुरस्कार जीता | , कहानी कथन प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग से कक्षा अष्टमी की श्रेया ने और वरिष्ठ वर्ग से कक्षा दसवीं की अनुजा गायकवाड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और , निबंध लेखन प्रतियोगिता में कनिष्ठ वर्ग से कक्षा सातवीं के उमंग गुप्ता और वरिष्ठ वर्ग से कक्षा नवमी की तृप्ति कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया |

अतिथि- व्याख्यान

अतिथि व्याख्यान छात्रों को अधिक संवादात्मक, विषय विशिष्ट तरीके से अपने सीखने में सुधार करने में मदद करते हैं। ये न केवल छात्रों के लिए बहुत मददगार हो सकते हैं, बल्कि शिक्षक के ज्ञान के विकास में भी योगदान दे सकते हैं। कक्षाओं को अधिक सुलभ और छात्रों के लिए आकर्षक बनाने के लिए अतिथि व्याख्यान का उपयोग किया जा सकता है।

एक अच्छा अतिथि वक्ता व्याख्यान छात्र को उस क्षेत्र के बारे में अधिक पसंद करने के लिए ला सकता है जिसके बारे में बात की गई है, और इसमें पूर्ण नामांकन हो सकता है, साथ ही माध्यमिक "परिणाम" जैसे कि क्षेत्र से संबंधित जुड़ाव, विचारों पर एक अलग दृष्टिकोण , पहले एक अलग तरीके से पढ़ाया जाता था। इस तरह के प्रयासों से और बेहतर शिक्षा की ओर एक कदम है।

कोविड-19 महामारी के कारण अतिथि व्याख्यान, वेबिनार, कार्यशालाएं आभासी पटल पर आयोजित की गई हैं।

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

शिक्षक अभिभावक सम्मेलन

एक स्कूल के बेहतर संचालन के लिए शिक्षकों और अभिभावकों का एक साथ आना जरूरी है। एक अभिभावक निश्चित रूप से वह सब कुछ जानना चाहता है जो स्कूल में चल रहा है, जिसमें शिक्षक और स्कूल प्रबंधन भी शामिल है। यही बात शिक्षकों पर भी लागू होती है, जिसमें वे छात्रों की सामाजिक पृष्ठभूमि, रुचियों आदि को जानना चाहते हैं। यह सब वास्तव में छात्रों के लाभ के लिए काम करता है। एक छात्र के बारे में अधिक जानने से शिक्षकों को उनकी आवश्यकताओं को तदनुसार पूरा करने में मदद मिलती है। यह स्कूल में अभिभावक शिक्षक बैठक (पीटीएम) द्वारा अच्छी तरह से हासिल किया गया है।

जैसे-जैसे स्कूली शिक्षा ऑफ़लाइन से ऑनलाइन शिक्षण के मोड में स्थानांतरित हुई, माता-पिता को ऑनलाइन शिक्षण के दौरान माता-पिता के रूप में उनकी नई भूमिका के बारे में जागरूक करना अनिवार्य हो गया।

1-यह सुनिश्चित करना कि बच्चा नियमित रूप से ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेता है।

2- यह सुनिश्चित करना कि बच्चा दिए गए सभी कार्यों को समय पर पूरा करे।

3-अपने बच्चे के लिए एक मित्र, मार्गदर्शक और सूत्रधार के रूप में कार्य करना।

4-यह सुनिश्चित करना कि बच्चा आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में पोस्ट किए गए सभी कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं में पूरे दिल से भाग लेता है।

5- नियमित आधार पर अपने बच्चे की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करें।

6-माता-पिता के साथ पी पी टी आदि में छात्रों के प्रदर्शन को साझा करने के लिए मासिक पीटीएम आयोजित किए गए।

जतिंदर कौर
(पीजीटी अंग्रेजी)

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

विद्यालय- प्रबंध समिति की रिपोर्ट

स्कूल से संबंधित गतिविधियों के समुचित संचालन और निगरानी के लिए तीन साल की अवधि के लिए वीएमसी का गठन किया गया है। यह समिति स्कूल से संबंधित सभी मामलों पर चर्चा करने के लिए बैठक आयोजित करती है।

क) स्कूल के कामकाज की निगरानी करना।

बी) स्कूल विकास योजना तैयार करना और सिफारिश करना।

ग) उपर्युक्त सरकार या स्थानीय प्राधिकरण या किसी स्रोत से प्राप्त अनुदानों के उपयोग की निगरानी करना, तथा

घ) ऐसे अन्य कार्य करना जो निर्धारित किए जा सकते हैं।

COVID-19 महामारी के कारण, इस वर्ष सत्र 2021-22 के दौरान वस्तुतः तीन VMC बैठकें आयोजित की गईं।

पहला वीएमसी 16.09.2021

दूसरी वीएमसी बैठक 07.01.2022

तीसरी वीएमसी बैठक -22.03.2022

जतिंदर कौर
पीजीटी अंग्रेजी

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

खेलकूद एवं योग गतिविधि

क्र.सं	महीना	गतिविधियां	नामांकित छात्रों की संख्या
1	फ़रवरी	प्रख्यात खेल राज्य	114
2	मार्च	मेडिटेशन माइंडफूलनेस	110
3	अप्रैल	मास पीटी जागरूकता	75
4	मई	योग और सभी कक्षाओं का अभ्यास	125
5	जून	योग दिवस समारोह	155
6	जुलाई	उत्कृष्ट खेल व्यक्तित्व व्यक्ति रचनात्मक तरीके से बात करते हैं	146
7	अगस्त	ओलिंपिक के लिए सड़क पर ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	145
8	सितंबर	फिटइंडिया रन नंद प्लॉग रन वार्षिक और राष्ट्रीय खेल दिवस	124
9	अक्टूबर	फिटइंडिया प्लॉगिंग रन मेडिटेशन	235
10	नवंबर	FITINDIA स्कूल सप्ताह और देश भर में राष्ट्रीय खेल	197

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

REPORT OF SCIENCE ACTIVITIES FOR THE SESSION 2021-22

Self expression, independent research, constructive activities ,etc, are some of the opportunities provided by the science clubs. Students can learn more through the activities and their own experiments and clarify general scientific concepts. The coordination between the classroom and the science clubs help the students to complete their curriculum in a subtle way. Science club are sometimes considered as the backbones of the curricular activities in the school.

During the session the students participated in various activities in offline and online mode through school and individually.

INSPIRE AWARD:

Two projects of our school have been selected out of 5 for inspire Awards Scheme for the session 2021-22

VVM EXAM

Miss Hritika Singh class 9 ranked II

Misss Radhika Purohit of class 10 ranked III at district level in Vidyarthi Vigyan Manthan (VVM) Exam

Ma. Tejas Dwivedi Class 8 AND Miss Radhika Purohit of Class 10 have been selected for state Level VVM Camp 2021-22

NATIONAL SCIENCE DAY

Ma Tejas Dwivedi of Class VIII secured second position in National Science Day(ELOCUTION Competition) organized by Institute of Plasma Research (IPR) on 3RD FEB 2022 and received a cash award of Rs 750/- and a certificate.Topic of Elocution is 75 years of Science and Technology in India

NCSC:

One project under junior group selected as stand by for National level in National Children Science

Beside this the students also participated in SCIENCE Olympiad ,**SPOT ,**Science Exhibition,NTSE, Discovery School Super League National Level Quiz Contest etc

Sangeeta Arora
Science convenor

विद्यालय – रिपोर्ट / प्रतिवेदन

KENDRIYA VIDYALAYA NO-4 ONGC VADODARA				
Record of Online Sessions/ Webinars Conducted by Experts (Session 2021-22)				
Sr. No.	दिनांक	विषय	विशेषज्ञ का परिचय	कक्षा / स्टाफ
1	27.04.2021	समय – प्रबंधन	श्री अनमोल गोस्वामी	XII
2	06.09.2021	खेलकूद का महत्त्व	श्री अमित रोहित	VI to X,XII
3	07.09.2021	व्यक्तिगत स्वास्थ्य का महत्त्व	डॉ. भूमिका दन्त विशेषज्ञ	II
4	07.09.2021	व्यक्तिगत स्वास्थ्य का महत्त्व	डॉ मिनाली रॉय दन्त विशेषज्ञ	III to V
5	07.09.2021	व्यक्तिगत स्वास्थ्य का महत्त्व	डॉ. संजीव पुरोहित - दन्त विशेषज्ञ	VI to X
6	17.01.2022	करियर जागरूकता अभियान	डॉ राकेश कुमार निदेशक पेट्रोलियम अभियांत्रिकी स्कूल	XII
7	18.01.2022	भरी पानी संयत्र की गतिविधियाँ	श्रीमती सतस्विनी	IX to XII

विविध गतिविधियों की झलक

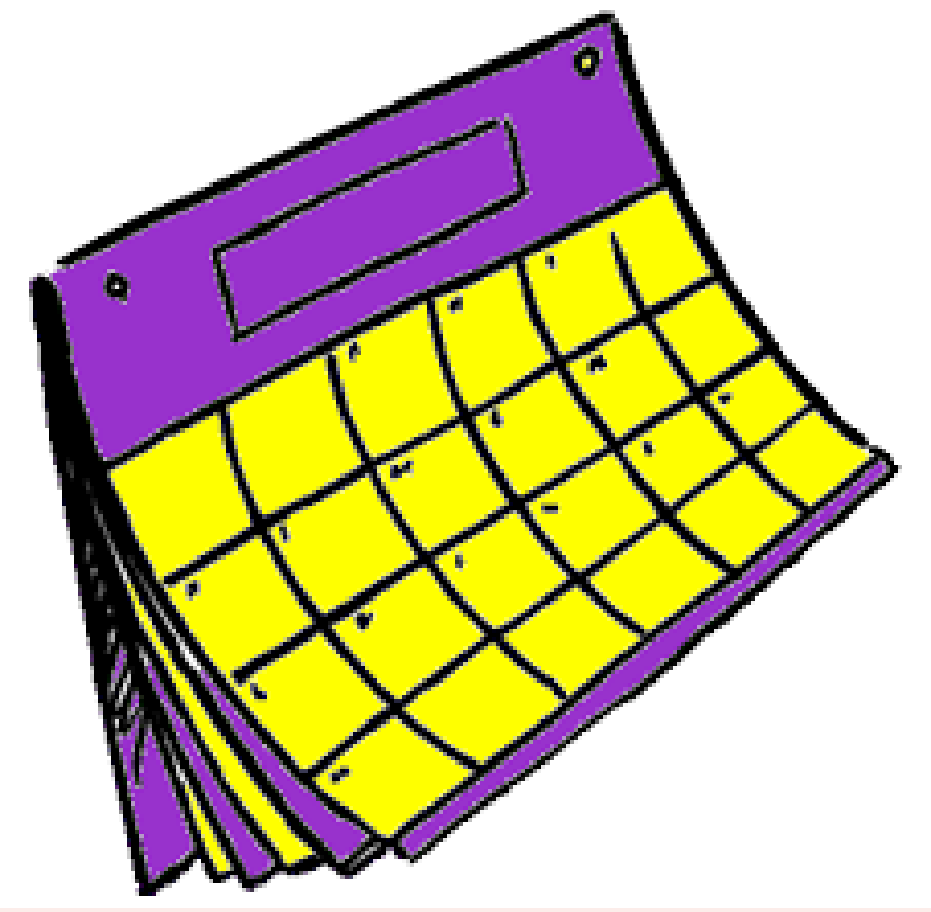

अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति का दौरा

वृक्षारोपण अभियान

CLEAN!

श्रीमती संगीता अरोड़ा

वृक्षारोपण
महोत्सव

वृक्षारोपण
महोत्सव
आओ मिलकर पेड़ लगाएं
पर्यावरण को बचाएं
एक कदम स्वच्छता

सुन बरखा

DRY
WASTE

रूट्स 2 रूट्स "मस्तिष्क विकास कार्यशाला"

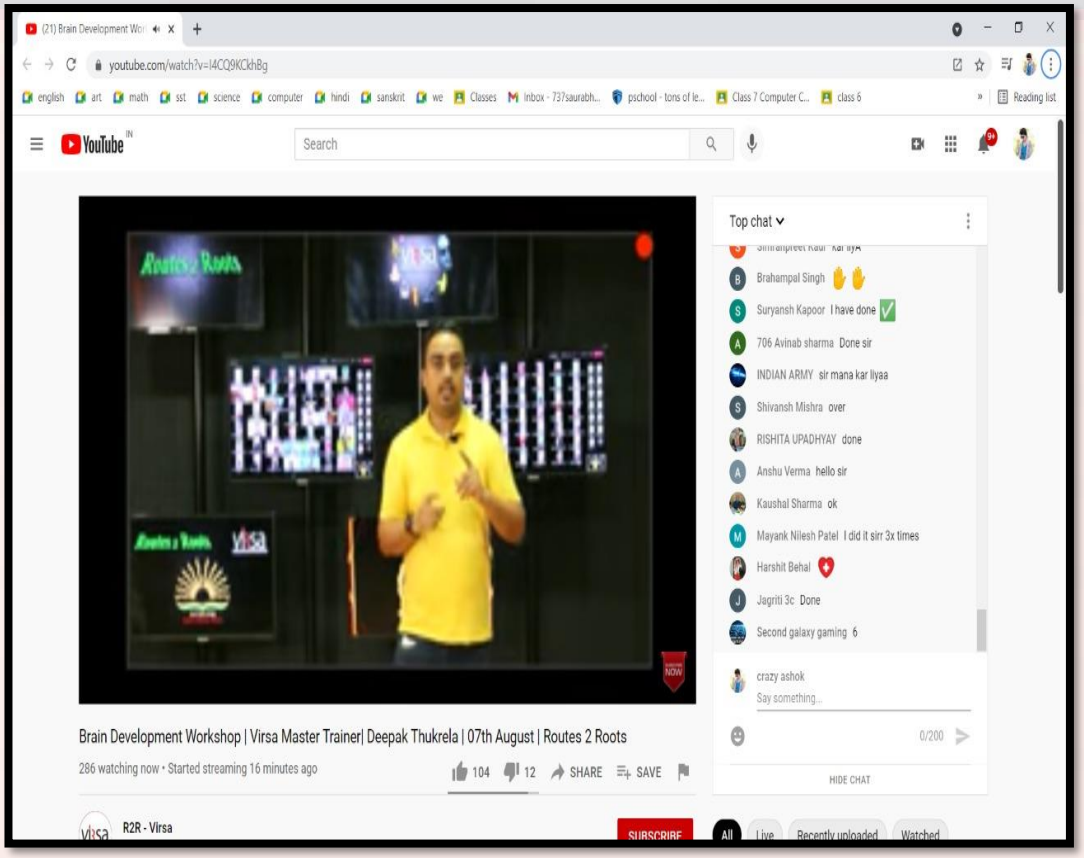

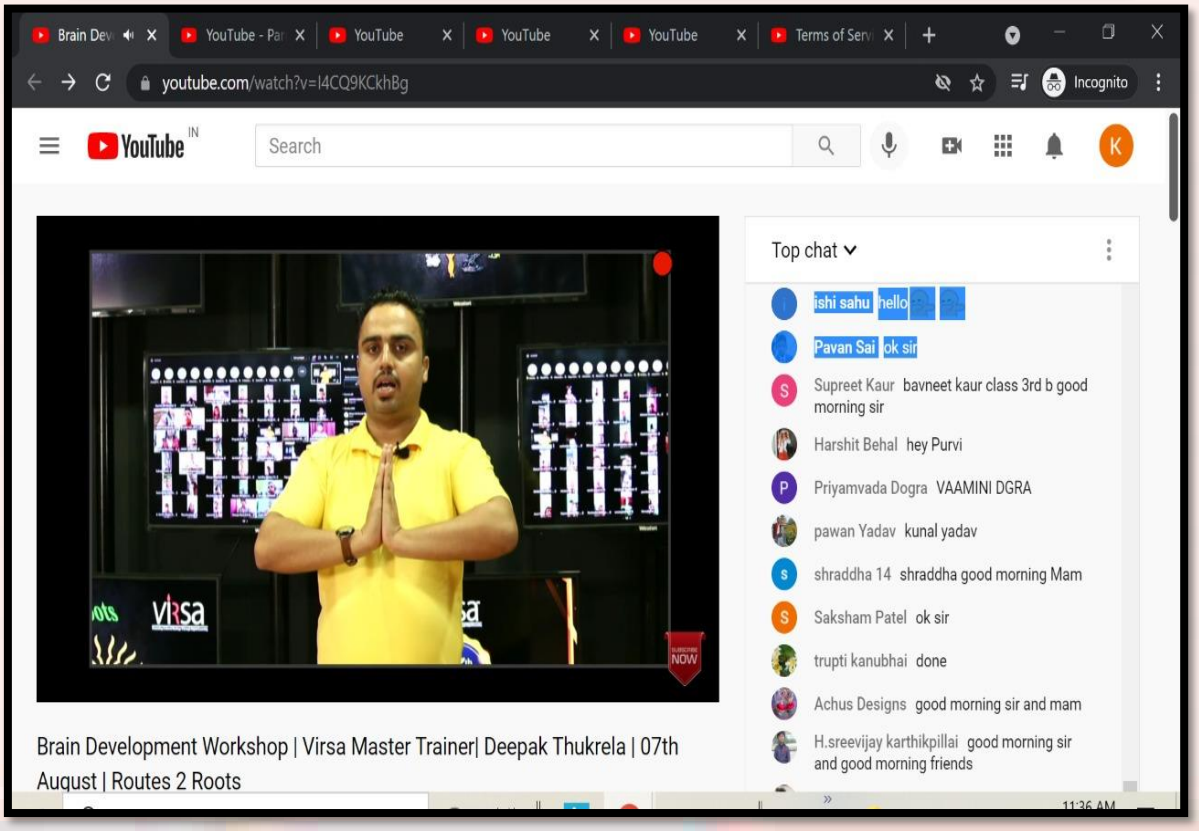

स्वतंत्रता दिवस समारोह

वार्षिक पैनल निरीक्षण 2021

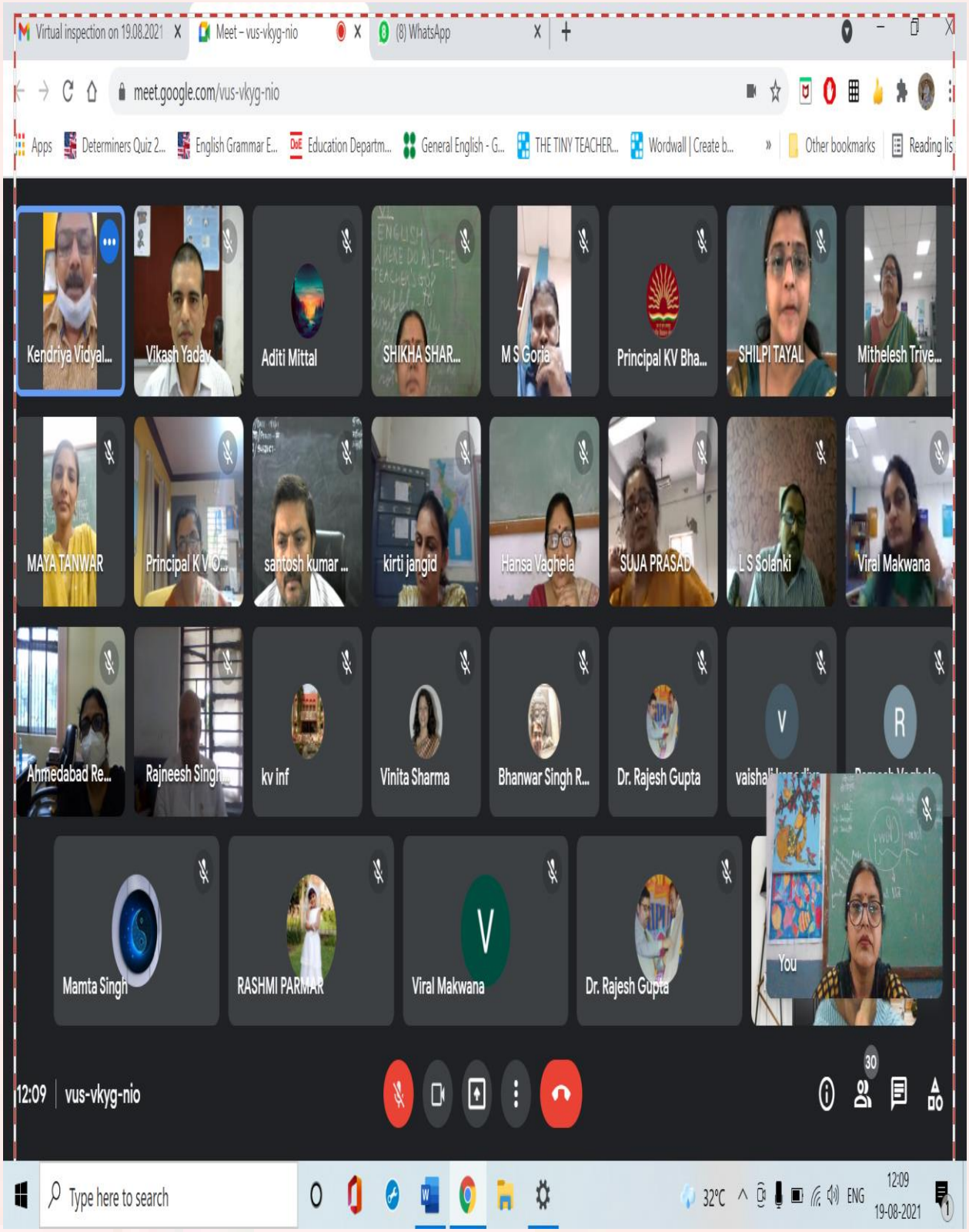

संस्कृत सप्ताह

केन्द्रीय विद्यालय संगठन
केन्द्रीय विद्यालय नं ४, ओ.एन.जी.सी. -वडोदरा
संस्कृत सप्ताह समारोह:

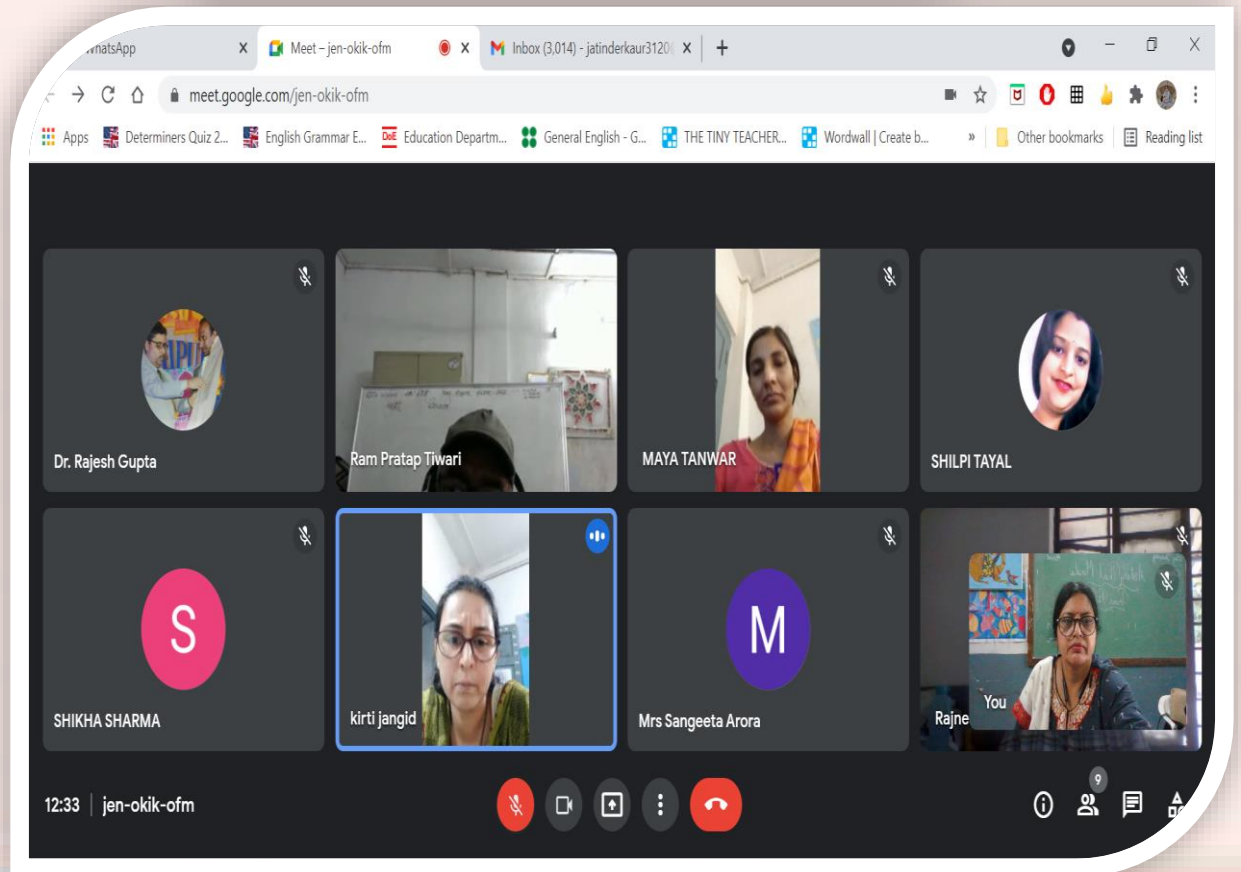
Meet – jen-okik-ofm
Inbox (3,014) - jatinderkaur3120
meet.google.com/jen-okik-ofm
Apps
Determiners Quiz 2...
English Grammar E...
Education Departm...
General English - G...
THE TINY TEACHER...
Wordwall | Create b...
Other bookmarks
Reading list
Dr. Rajesh Gupta
Ram Pratap Tiwari
MAYA TANWAR
SHILPI TAYAL
S
SHIKHA SHARMA
kirti jangid
M
Mrs Sangeeta Arora
You
Rajne
12:33 | jen-okik-ofm

हिंदी पखवाड़ा

केन्द्रीय विद्यालय
ओ एन जी सी, मकरपुरा रोड, वडोदरा
हिंदी पखवाड़ा समारोह
दिनांक : 14 सितंबर से 28 सितंबर-2021

केन्द्रीय विद्यालय
ओ एन जी सी, मकरपुरा रोड, वडोदरा
पखवाड़ा समारोह
14 सितंबर से 28 सितंबर-2021

केन्द्रीय विद्यालय

महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री जयंती

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

उपायुक्त के.वि.सं. क्षे.का. अहमदाबाद द्वारा विद्यालय का दौरा

केविसं. स्थापना दिवस समारोह

सहायक आयुक्त केविसं क्षे.का. अहमदाबाद द्वारा स्कूल का ऑफ़लाइन निरीक्षण

आज़ादी का अमृत महोत्सव
रंगोली प्रतियोगिता

आज़ादी का अमृत महोत्सव
पतंग बनाने की प्रतियोगिता

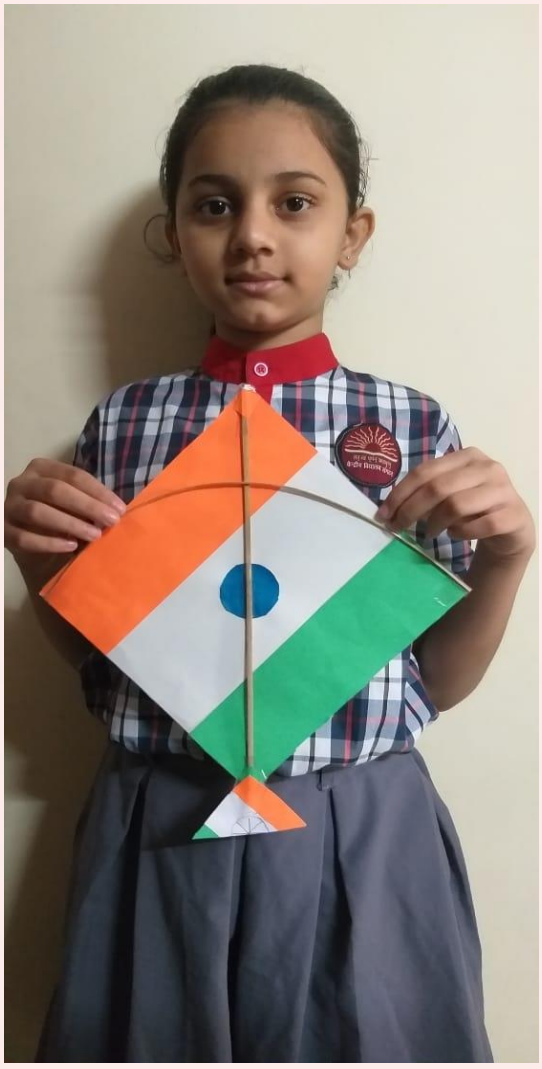

दीपावली उत्सव

के. वि. क्र. 4 ओएनजीसी वडोदरा की संचालन समिति की बैठक

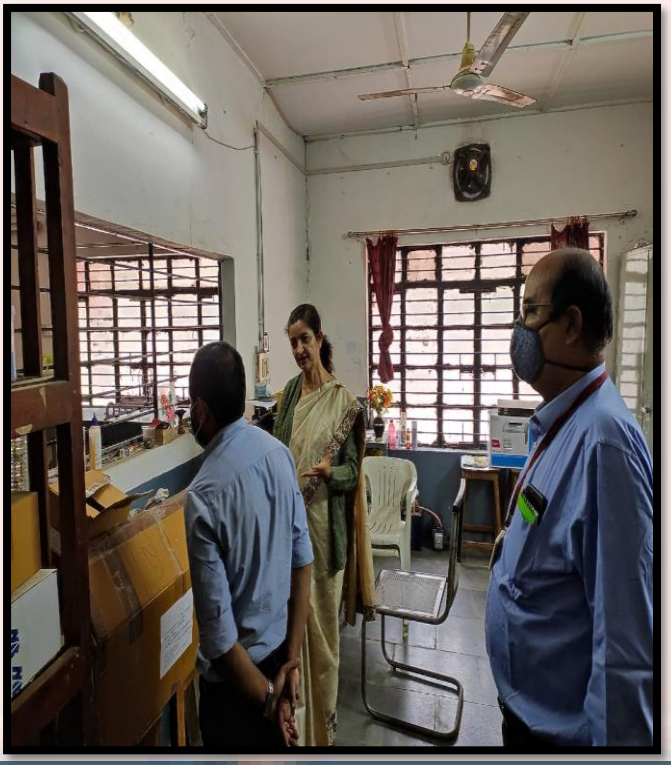

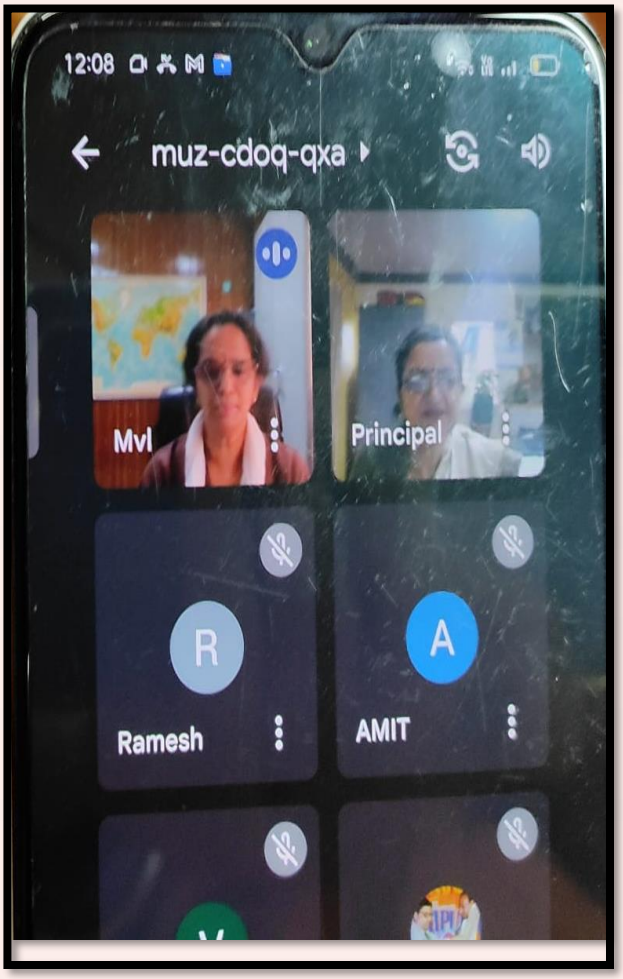

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

SNo	ACTIVITY	MODE OF COMPETITION
1	Drawing competition	Submission through google form
2	75th independence day celebration	Celebration in school in school
3	Fancy Dress (Vi-Vii) Solo Song (Viii) Poem Recitation(Ix) English/Hindi Extempore (X)	Class wise online competition
4	Sanskrit Sloka Recitation	Competition Under Sanskrit Saptah
5	Sanskrit Quiz	Online Competition(Quiz)
6	Sanskrit Nibandh Pratiyogita	Submission In Google Classroom Under Sanskrit Classwise (Nibandh)
7	Diff Yogashana For Different Classes	Online Competition
8	EBSB competiton(Chattisgarh) 1. solo dance 2. Solo song	School level Online competition
9	Sapath taken by all teachers and students on swachhcta pakahvada	
10	Swachhta awareness day	12th class student, Master Alok Jha, talk on Swchhcta awareness
11	Community outreach day	teachers as well as students taken part
12	Green school day	1. Imagination slogans/posters/pamphlets on COVID/water conservation/single use ofplastic (by students) 2. Tree plantation by teachers
13	Swachhta participation day	essay writing/skit/painting on Swachhta
14	Guest lecture on personal hyigine for	class II Class III to V Class VI to X
15	Hand wash day	small speech on Hand wash in Hindi and English from primary class one from secondary class

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

16	Personal hygiene day	1. Guest lecture to deliver class on personal hygiene In general 2. Speech by students of class VII, Master Umang
17	Swachhcta school exhibition days	virtual exhibition will show to all classes which will be made by Master Nihar Ranjal from class VIII
18	Competition on making artifacts at home using local recycled raw materail for storage or waste	Online competition
19	Swachhta action plans days	1. Teachers meeting to find out SOP Google form for students to fill give suggestions other than these ongoing activity
20	Kavya Path Under Hindi Pakhvada	Online Competition
21	hindi kahani kathan competition	online live competition
22	Video preparation of "POSHAN" under poshan maah Quiz competition by Government,	
23	hindi ashubhasan on poshan	online competition
24	Annual sports day Celebrations	school level
25	Gandhi jayanti celebration with teachers	Quiz competition with teachers
26	Kala utsav competition preparation (Dance: traditional/classical, Song :Traditional/Classical, Instrumental : Traditional/Classical, Indigenous game and toys, Visual art 2D/3D(sculpture)	Online competition
27	Nukkad natak under Manodarpan on "Mental health"	Online competition

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

28	Competition under "Paryavaran" 1. Quiz or all classes 2. Making maximum eco brick	School level Online competition
29	Foundation day celebration	School level
30	Cyber security training by Sh Vikash kumar Yadav, PGT-CS	For Class 12th/10th And All Teachers
31	Greeting card competition	Class Wise Online Competition
32	Tresure hunt game	Class Wise Online Competition
33	Essay Writing Competition On Single Use Of Plastic	Class Wise Online Competition
34	ACTIVITY OF CROSSWORD(VI-VIII) SUDOKU(IX-X)	Class Wise Online Competition
35	Gallantry award activity	Class Wise Activity
36	activity on unsung heros	Make A Video On Real Heros With Their Family
37	class wise Painting competition	VI- Painting On Water And River VII- Painting On Water And River VIII- Painting On Afforestation IX- Painting On Biodiversity Conservation X- Painting On Biodiversity Conservation
38	Tri Colour Activity	for all classes
39	Science day celebration	making science project(classwise)
40	Quiz competition for 26th January	Class wise competition
41	75th Republic day celebration	School level

उपरोक्त सभी प्रतियोगिताएं और गतिविधियां, सीसीए के तहत आयोजित की गई। प्रत्येक गतिविधियां और प्रतियोगिताओं में छात्रों ने बहुत उत्साह से भाग लिया। सभी प्रतियोगिताओं में से, तीन विजेताओं का चयन किया गया, जिन्हें "ए विक्रम साराभाई विज्ञान केंद्र" से खरीदे गए पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

प्रभारी (सीसीए)

श्रीमति विरल मकवाना

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

केन्द्रीय विद्यालय क्रं 4 ओएनजीसी वडोदरा

विद्यालय मे ऑनलाइन गतिविधियों की एक झलक

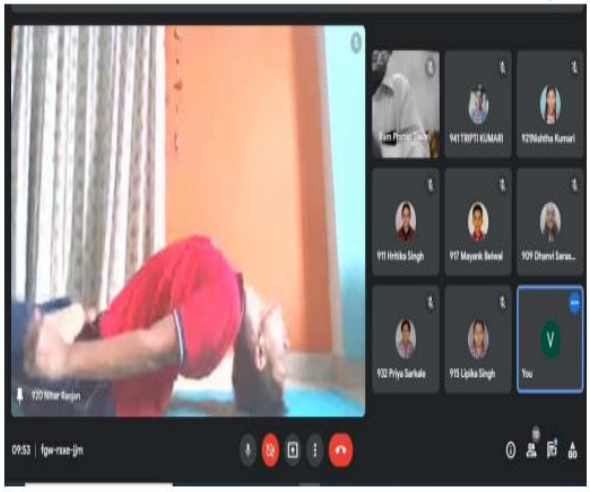

योगासन प्रतियोगिता

कविता पाठ प्रतियोगिता

देशभक्ति गीत प्रतियोगिता

व्यक्तिगत स्वच्छता पर अतिथि व्याख्यान

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

केन्द्रीय विद्यालय क्रं 4 ओएनजीसी वडोदरा

विद्यालय मे ऑनलाइन गतिविधियों की एक झलक

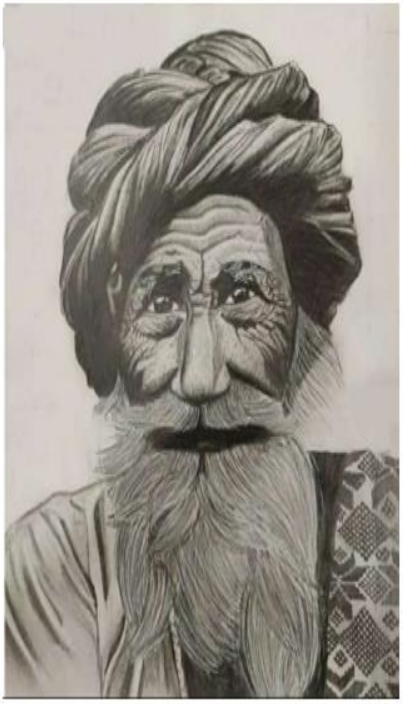

ड्राइंग प्रतियोगिता

मूर्तिकला प्रतियोगिता

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

स्किट प्रतियोगिता

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

केन्द्रीय विद्यालय क्रं 4 ओएनजीसी वडोदरा

विद्यालय मे ऑनलाइन गतिविधियों की एक झलक

अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिता

घर में सफाई

एक भारत श्रेष्ठ भारत
(आज़ादी का अमृतमहोत्सव)
अंतर्गत एकल नृत्य एवं एकल गीत प्रतियोगिता

सह पाठ्यक्रम गतिविधियां

ऑनलाइन/ऑफलाइन शिक्षण की झलक

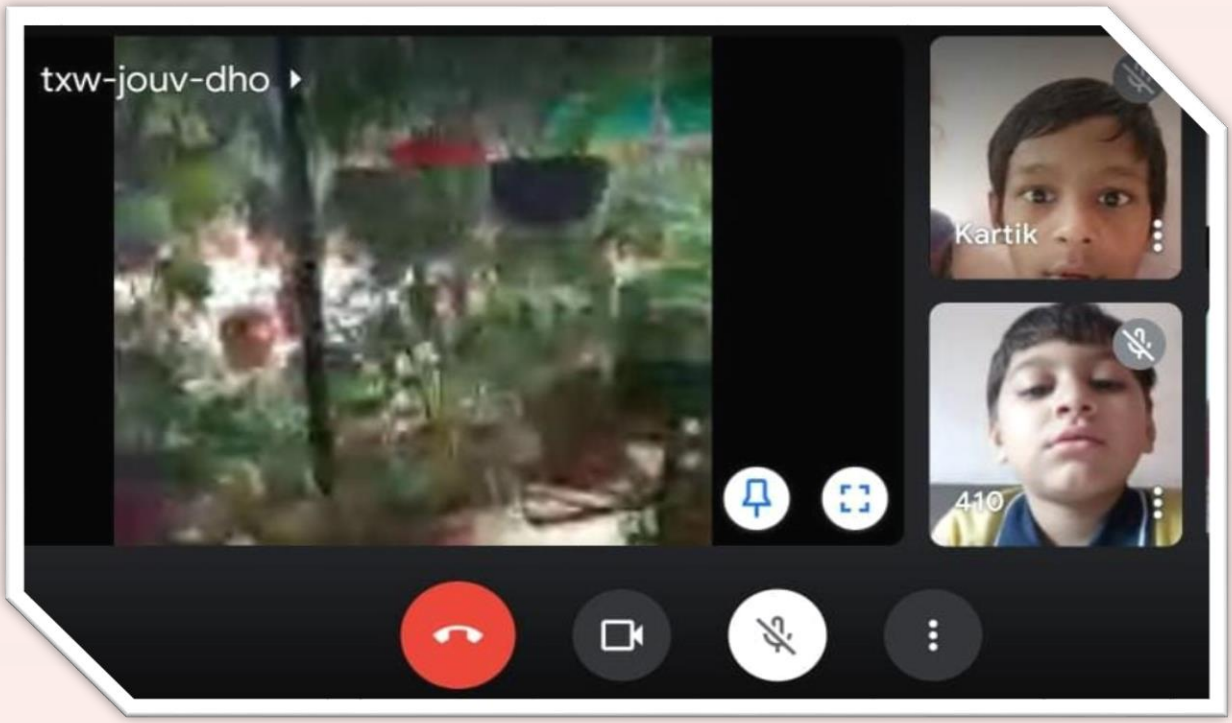

मौलिक अंकगणित पर शिक्षकों की कार्यशाला

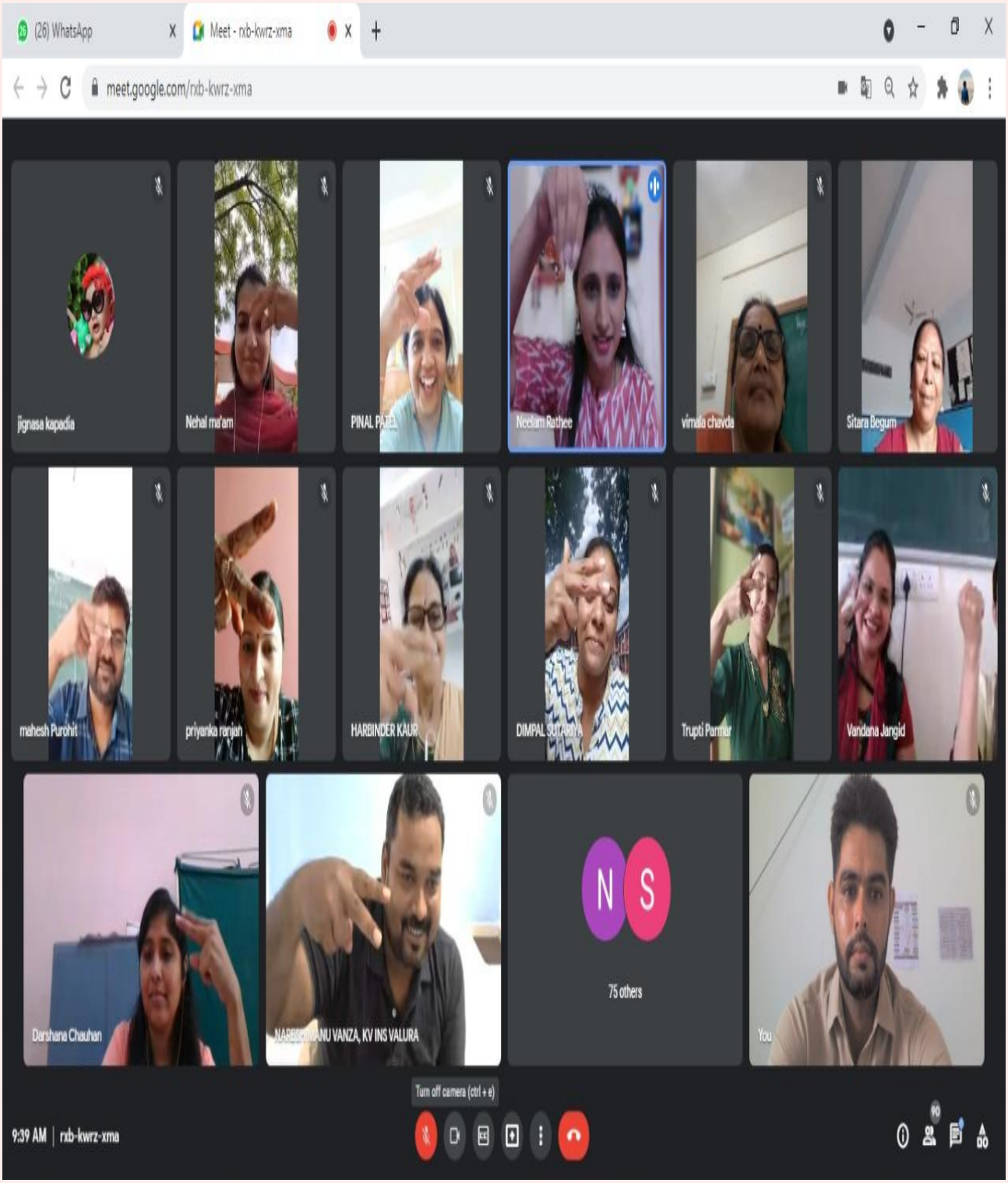

वडोदरा महानगर पालिका द्वारा विद्यालय में 15 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के छात्रों के लिए टीकाकरण शिविर

रचनात्मक अभिव्यक्ति

हिंदी विभाग

शिक्षा का महत्व

हमारे जीवन में शिक्षा का होना बहुत जरूरी है | इसके बिना इंसान पशु के बराबर है | बिना शिक्षा के हम अपनी सफलता को नहीं पा सकते है | शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य की आंतरिक शक्तियों का विकास होता है | शिक्षा हमारे उज्ज्वल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है | इस साधन से हम अपने जीवन में कुछ भी अच्छा प्राप्त कर सकते है | कुछ लोग डॉक्टर बनना चाहते है, कुछ लोग इंजीनियर बनना चाहते है | और ये सब बनने के लिए एक ही रास्ता है और वो है अच्छी शिक्षा |

बिना शिक्षा के हम अच्छे पद नहीं पा सकते | अगर हमे डॉक्टर बनना है तो उसके लिए हमे पढ़ाई कर अच्छी शिक्षा लेनी होगी | शिक्षा हमारे भीतर आत्मविश्वास को बढ़ाती है और आत्मविश्वास से हमारा व्यक्तित्व निखरता है | शिक्षा से बढ़कर कोई धन नहीं |

आयान सिंह
कक्षा – नवमी

एहसास

जिन्दगी बेहद ख़ूबसूरत है
ज़िंदगी से भी ख़ूबसूरत है जज्बात |
सभी जज्बातो में सबसे प्यारा है प्यार,
प्यार से भी प्यारा है प्यार का अहसास
सच है प्यार का एहसास बहुत है खास |
एहसास से ही तो है मुस्कुराहत मौज़ूद ।
और अहसास से ही है इंशों का वज़ूद |
एहसास से ही तो है प्यार में ताजगी |

मृदुला वायकोले
कक्षा –अष्टमी

बादल का स्वभाव

बादल के इस मासूम चेहरे पर मत जाना.
वह अपने मन के अनुसार जीता है।
प्यासे की प्यास बुझाये, कभी बूंद बूंद को तरसाए।
गुससे में हो तो बरसे इतना ,बाढ आ जाए पानी भर जाए घर जीतना.
खुश हो तो चांद से भी गोरा और दु:खी हो तो काल से भी काला.
कभी कभी अपना रूप बदल लेता है.
गरजता वो बरसता वो किसानो का उम्मेदवार वो.
कभी कभी बादल खुद के लिए भी बरसता है।

प्रिया सरकाले ,कक्षा –दशमी

चुटकुले

1. माँ [बेटे को] - तुम इस तरह फर्श पर ढोल क्यों बजा रहे हो?
   बेटा - माँ, मैं मुन्ने को बहका रहा हूँ।
   मां - लेकिन मुन्ना कहीं नजर नहीं आता।
   बेटा - मां, ढोल के अंदर सिर्फ मुन्ना बैठा है।

2. किराएदार - आपने मुझे किस तरह का घर किराए पर दिया है?
   वहाँ तो चूहे ही दौड़ते रहते हैं।
   जमींदार- क्या आप इतने कम किराए पर घुड़दौड़ देखना चाहते हैं?

3. डॉक्टर [कवि को कहते हैं] - मैं संपादक नहीं बल्कि डॉक्टर हूँ ।
   आप अपनी बीमारी बताएं, अपनी कविता नहीं।
   कवि:- मुझे कविता पढ़ने की ही बीमारी हो गयी है।

4. छोटा बच्चा पानी से डरता था और साबुन से भी डरता था । माँ ने समझाने की कोशिश की, देखो बेटा, क्या तुम साफ नहीं होना चाहते।
   बेटा- मैं चाहता हूँ, लेकिन क्या तुम मुझे सिर्फ झाडकर ही साफ नहीं कर सकती?

5. बॉस - जब आपको काम पर रखा गया था, तो आपने कहा था कि आप कभी थकते नहीं है, और अभी आप टेबल पर टांगे लटकाए सो रहे हो।
   कर्मचारी - मेरे न थकने का यही तो राज है।

6. बस में काफी भीड़ थी। अंदर प्रवेश करने वाले एक यात्री ने कहा: ओह, ऐसा लगता है कि बस जानवरों से भरी हुई है।
   बगल में बैठे एक सज्जन ने कहा: हाँ साहब, यहाँ हर तरह के जानवर हैं, बस गधे की कमी थी।

7. रमेश - आज मुझे ₹50 का सिक्का मिला
   निखिल - वह सिक्का मेरा ही था
   रमेश - लेकिन मुझे ₹25 के 2 सिक्के मिले हैं | मेरा सिक्का नीचे गिर कर दो हिस्सों में टूट गया होगा।

मच्छर चालीसा

जय मच्छर भगवान उजागर | तुम हो सब रोगो के सागर ||
नगर दूर अतुलित बलधामा | तुम से जीत ना पाया गामा ||
गुप्त रूप धरि तुम आ जाते। सूक्ष्म रूप धरि तुम खा जाते ||
मधुर - मधुर खुजलाहाट आवे। सिगरी देह लाल परि जावे ||
मलेरिया के हो तुम दाता। तुम खटमल के हो छोटे भ्राता ||
कोई जगह तुमने नहीं छोडी। जहां रिस्तेदारो की जोड़ी ||
मच्छरदानी काम न आवे। डी.डी.टी. न असर दिखावे ||
जय जय मच्छर भगवाना । श्री झिगुर जी तुम्हाहे नाना ||
भेदभाव न तुमको आवे। प्रेम तुम्हारा हर कोई पावे ||
जो मच्छर चालीसा गावे। तन मन से वह चैन न पावे ||
बोलो मच्छर भगवान की .....

व्रज पटेल
कक्षा- षष्ठी

नई दोस्ती

अम्मा .. आज हमारे स्कूल में एक नई लड़की शामिल हुई .. उनके पिता मुंबई से स्थानांतरण पर हमारे गृह नगर आए .. तो वह बीच में शामिल हो गई .. वह इतनी सुस्त क्यों है गा .. उससे किसी ने बात नहीं की .. उसने कहा कि वह तेलुगु ठीक से नहीं बोल पाती रानी.. जब तुम स्कूल से घर आती हो.. ठीक है सोना.. तुम यह दूध पीने के लिए तैयार हो.. तो बात करते हैं माँ.. फिर थोड़ी देर के लिए तुमने पूछा कि तुमने नई लड़की से क्या कहा। मैंने भी कहा आपने क्या कहा.. रानी की मां.. जब भी नवागंतुक आते हैं तो उन्हें जानना चाहिए कि वे क्या चाहते हैं ,भावनाएँ.. मेरी माँ ने कहा कि बहुत हो गया रानी को जवाब देना चाहिए और कल जल्दी उठना चाहिए

अम्मा ने कहा .. रानी ने जवाब दिया कि कल जल्दी आराम करना चाहिए .. अगले दिन स्कूल में नवागंतुक अमृता मुस्कुराई और रानी से पूछा कि वह सुस्त क्यों है .. मैंने उसके सभी पसंदीदा दोस्तों को छोड़ दिया और एक लंबा सफर तय किया .. पाठ्यक्रम भी मैं याद किया .. अमृता कहती है कि यह बहुत शर्मनाक है क्योंकि यह जगह बिल्कुल नई है .. मेरा नाम रानी है .. आज से मैं तुम्हारी नई दोस्त हूं .. मुझे बताओ कि क्या आपको इस मदद की ज़रूरत है .. इस सप्ताह के अंत में हम गोदावरी देखने गए थे मैं शहर की सभी किताबों की दुकान दिखाऊंगा.. मैं अपने घर दोपहर का भोजन ले जाऊंगा .. ठीक है .. आप हमारे घर में हमारी बहन के साथ भी खेल सकते हैं .. रानी ने कहा .. इस बीच अमृता ने अपने सभी दोस्तों का परिचय दिया जो जा रहे थे अगला.. तब अमृता दो हफ्ते लो माँ का घर थी पैकिंग करने के बाद वह खुशी-खुशी क्लास में चली गई और कहा कि आप सब हमारे घर जरूर आएं..

वसुप्रिया

कक्षा –षष्ठी

कोरोना महामारी - एक चुनौती

सन 2019 के अंतिम महीने में समाचारों ने पुष्टि की थी कि चीन के वुहान शहर में एक नए वायरस ने जन्म लिया है जो कि इंसानों के फेफड़ों पर असर करता है। यह जानलेवा वायरस SARS COVID - 19 है जिसे हम कोरोना के नाम से जानते हैं। शुरुआत में इस वायरस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया जिससे अधिक गति के साथ फैलते गया और किसे पता था कि आगे जाकर यह वायरस अपना रौद्र रूप लेने वाला है। सन् 2020 ने यह वायरस एक वैश्विक महामारी में परिवर्तित हो गया और इस निर्दय वायरस ने न जाने कितने निर्दोष लोगों की जान ली। यह जानलेवा वायरस मानव जाति के लिए संकट बन गया - मरीजों के लिए अस्पतालों की कमी थी, शिक्षा रुक गई थी, लाखों लोग बेरोजगार हो गए, विश्व भर के देश आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे थे, और न जाने ऐसा क्या हुआ। आज भी इस मनहूस वायरस का नाम सुनकर रूह कांप जाती है।

विश्व भर की सरकारों ने लूटा जैसा सही निर्णय लिया, हालांकि लोगों से सारे देशों को कई नुकसान हुए परंतु किसी की जान से बढ़कर यह नुकसान अवश्य बड़े नहीं हो सकते। एक जागरूक एवं सभ्य नागरिक होने के नाते हम सब ने सरकारों द्वारा दिए गए कोविड - नियमों का ईमानदारी से पालन किया और अफवाहों का खंडन एवं दूसरों को सचेत किया, यही हमारा कोरोनावायरस से लड़ने का सबसे बड़ा कदम था। लगभग एक – 2 सालों के भीतर वैक्सीनो का भी आविष्कार हो गया आज विश्व भर में वैक्सीन फैल चुकी है और टीकाकरण भी लोगों का हो रहा है जिससे आज इस जानलेवा वायरस का असर बेहद कम हो चुका है। अभी - भी इस वायरस का पूरी तरीके से अंत नहीं हुआ है परंतु जल्द – मानव जाति इस जानलेवा वायरस का अस्तित्व मिटाने वाली है। पूरी मानवजाति ने संगठित होकर इस वायरस का डटकर सामना किया और अब सफलता निकट ही है। एक बार मनुष्य ने फिर से दिखा दिया है एकता की शक्ति | इतनी लहरों के बाद भी यह घातक वायरस भी हमारी एकता को खंडित करने में असफल रहा ।

तिग्मायुध आर्यन

कक्षा – दशमी

उड़ान

मन मेरा छोटा, कोमल सा,
उड़ता-फ़िरता है चंचल सा,
नन्हीं मन की आँखों में,
एक नई उड़ान हो।
मैं भी चाहूँ कि जग में,
मेरी भी पहेचान हो।
मेरे मन के भाव को समझो,
कुछ मैं बोलू , कुछ तुम कह दो,
किससे बोलू मन की बातें,
एक नई उड़ान हो।
मैं भी चाहूँ कि जग में,
मेरी भी पहेचान हो।
बचपन है, भोलापन है मन में,
मनोभाव से गढ़ती मूरत,
अगर साथ दोगे जो मेरा,
कल होगी सुन्दर सी मूरत।
मैं भी चाहूँ कि जग मे,
मेरी भी पहेचान हो।
नाम दिया माँ ने - उमंग
हृदय में उमंग का विस्तार हो
देश भक्ति की हो सुगंध
हर कार्य देश के हित में हो।
मैं भी चाहूँ कि जग में,
मेरी भी पहेचान हो।
जीवन में हो उमंग
एक नई उड़ान हो।
मैं भी चाहूँ कि जग में,
मेरी भी पहेचान हो।

स्वरचित कविता - कक्षा

उमंग गुप्ता - अष्टमी

किताबें

किताबों को इंसान का सबसे अच्छा दोस्त कहा जाता है। वे मानव जाति के लिए बहुत फायदेमंद हैं। सूचना और ज्ञान का भंडार है। किताबें हमें बदले में बिना कुछ मांगे बहुत सी चीजें प्रदान करती हैं। किताबें हम पर गहरा प्रभाव छोड़ती हैं। यही कारण है कि हम बच्चों को ज्ञान प्राप्त करने के लिए कम उम्र से ही किताबें पढ़ने का सुझाव देते हैं। किताबों की सबसे अच्छी बात यह है कि किताबें कई तरह की होती हैं। पढ़ना हर उम्र के लोगों को करना चाहिए। यह न केवल हमारी सोच को विस्तृत करता है बल्कि हमारी शब्दावली को भी बढ़ाता है।

पुस्तक पाठकों के लिए विभिन्न प्रकार की पुस्तकें उपलब्ध हैं। बाजार में हर दिन यात्रा की किताबों से लेकर काल्पनिक किताबों तक की हजारों किताबें रिलीज होती हैं। हम अपने ज्ञान का विस्तार करने और पढ़ने के अनुभव का आनंद लेने के लिए अपनी रुचि की कोई भी पुस्तक चुन सकते हैं। यह विभिन्न विषयों पर हमारे ज्ञान में सुधार करता है। इसके अलावा, यह हमें समझदार बनाता है। इसी तरह किताबें भी हमारा मनोरंजन करती हैं। जब हम अकेले होते हैं तो हमें अच्छी संगति देते हैं। इसके अलावा, किताबें हमारी रुचि के क्षेत्रों को पहचानने में हमारी मदद करती हैं। वे हमारे करियर की पसंद को भी काफी हद तक निर्धारित करते हैं।

हम इससे नए शब्द सीखते हैं और इससे हमारी शब्दावली का विस्तार होता है। साथ ही किताबें हमारी रचनात्मकता को बढ़ावा देती हैं। किताबें हमें भाषाओं में अधिक धाराप्रवाह बनाती हैं। वे हमारे लेखन कौशल को भी बढ़ाते हैं। साथ ही, हम किताबों के ज्ञान के बाद और अधिक आश्वस्त हो जाते हैं। किताबें हमें एक नया दृष्टिकोण देती हैं और हमें चीजों की गहरी समझ देती हैं। यह हमारे व्यक्तित्व पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है। इस प्रकार, हम देखते हैं कि कैसे पुस्तकें हमें इतने सारे लाभ प्रदान करती हैं। हमें सभी को अधिक से अधिक किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

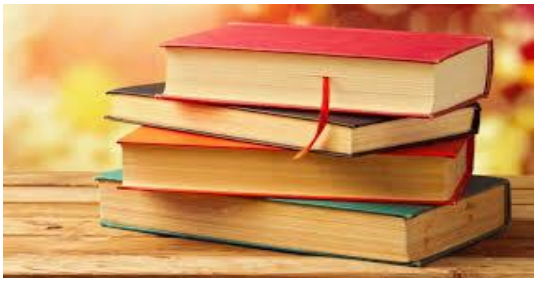

उमंग गुप्ता
कक्षा –अष्टमी

प्यारा हिंदुस्तान है

अमरपुरी से भी बढ़कर के जिसका गौरव-गान है-
तीन लोक से न्यारा अपना प्यारा हिंदुस्तान है।
गंगा, यमुना सरस्वती से सिंचित जो गत-क्लेश है।
सुजला, सुफला, शस्य-श्यामला जिसकी धरा विशेष है।
ज्ञान-रश्मि जिसने बिखेर कर किया विश्व-कल्याण है-
सतत-सत्य-रत, धर्म-प्राण वह अपना भारत देश है।

यहीं मिला आकार 'ज्ञेय' को मिली नई सौग़ात है-
इसके 'दर्शन' का प्रकाश ही युग के लिए विहान है।
वेदों के मंत्रों से गुंजित स्वर जिसका निर्भ्रांत है।
प्रज्ञा की गरिमा से दीपित जग-जीवन अक्लांत है।
अंधकार में डूबी संसृति को दी जिसने दृष्टि है-
तपोभूमि वह जहाँ कर्म की सरिता बहती शांत है।
इसकी संस्कृति शुभ्र, न आक्षेपों से धूमिल कभी हुई-
अति उदात्त आदर्शों की निधियों से यह धनवान है।।

योग-भोग के बीच बना संतुलन जहाँ निष्काम है।
जिस धरती की आध्यात्मिकता, का शुचि रूप ललाम है।
निस्पृह स्वर गीता-गायक के गूँज रहें अब भी जहाँ-
कोटि-कोटि उस जन्मभूमि को श्रद्धावनत प्रणाम है।
यहाँ नीति-निर्देशक तत्वों की सत्ता महनीय है-
ऋषि-मुनियों का देश अमर यह भारतवर्ष महान है।

क्षमा, दया, धृति के पोषण का इसी भूमि को श्रेय है।
सात्विकता की मूर्ति मनोरम इसकी गाथा गेय है।
बल-विक्रम का सिंधु कि जिसके चरणों पर है लोटता-
स्वर्गादपि गरीयसी जननी अपराजिता अजेय है।
समता, ममता और एकता का पावन उद्गम यह है|

रिया लिम्बोड़े
कक्षा –अष्टमी

परिश्रम का महत्त्व

सफतला की पहली कुंजी श्रम है | इसके बिना सफलता का स्वाद कभी भी नहीं चखा जा सकता है | जिंदगी में आगे बढ़ना है, सुख सुविधा से रहना है, एक मुकाम हासिल करना है, तो इन्सान को श्रम करना होता है | भगवान ने श्रम करने का गुण मनुष्यों के साथ साथ सभी जीव जंतुओं को भी दिया है | पक्षी को भी सुबह उठकर अपने खाने पीने का इंतजाम करने के लिए बाहर जाना पड़ता है | उसे बड़े होते ही उड़ना सिखाया जाता है, ताकि वह अपना पालन पोषण खुद कर सके | दुनिया में हर जीव जंतु को, अपने पेट भरने के लिए खुद मेहनत करती पड़ती है | इसी तरह मनुष्यों को भी बचपन से बड़े होते ही, श्रम करना सिखाया जाता है | चाहे वह पढाई के लिए हो, या पैसे कमाने के लिए या नाम कमाने के लिए. मेहनत के बिना तो रद्दी भी हाथ नहीं आती |

नाम: मोहित नीतिन कहार

कक्षा: दशमी

टेक्नोलॉजी और इससे होने वाले नुकसान

जब किसी व्यक्ति को किसी काम से कोई फायदा मिल रहा हो तो वह क्यों उससे होने वाले नुकसान के बारे में सोचेगा इससे होने वाले नुकसान की भरपाई तो उसे भविष्य में करनी पड़ेगी या तो सीधे से या परोक्ष रूप से।

वर्तमान में मनुष्य सिर्फ अपने फायदे को देखते हुए लगातार काम करते जा रहा है। परंतु इससे जो नुकसान उसे पहुंच रहा है, या पहुंचने वाला है। उसे वह समझ नहीं पा रहा हैं।

आज पर्यावरण इतना प्रदूषित हो चुका है कि कहीं कहीं तो सांस लेना भी मुश्किल होता जा रहा है।

चारों तरफ हमें प्रदूषण ही प्रदूषण देखने को मिलता है | आज कहीं बम धमाके होना, तो एक देश की सेना द्वारा दूसरे देश की सेना पर हमला करना या जहरी गैस का रिसाव जैसे अन्य कार्य होते देखे जा सकते हैं | यह सब टेक्नोलॉजी के कारण ही तो हो रहा है।

मनुष्य अपने फायदे के लिए हथियार बनाता जा रहा है परंतु उनसे किन्ही और को खतरा होता जा रहा है।

किसी सामान को बनाने के लिए बड़ी-बड़ी फैक्ट्रियों का निर्माण कराया जा रहा है। यह काम बहुत कम समय में हो जाता है। क्योंकि टेक्नोलॉजी ने हमें कहा तक पहुंचा दिया है | हर काम करने के लिए हमारे पास उपकरण मौजूद है।

टेक्नोलॉजी के बढ़ते नुकसान के कारण भविष्य में यह हमारे लिए एक अभिशाप साबित हो सकती है।

इशिता बेनीवाल कक्षा – षष्ठी

अनाथ लड़की

एक बार एक गांव में शीला नाम की लड़की थी | जिसे कोई पसंद नहीं करता था क्योंकि वह अनाथ थी | उसका इस दुनिया में कोई नहीं था | वह यहां-वहां घूम कर अपना जीवन काट रही | उसका सब मजाक उड़ाते रहते थे | वह कहती कि गाँव के लोग उसकी मदद करें , तो सब उस पर थे | कोई उसकी मदद नहीं करता था | लोग चिल्लाते थे- क्या अक्ल नहीं है तुझ में ? उसे बहुत बुरा लगता पर वह कुछ नहीं बोलती थी | महीने भर बाद लोगों ने फैसला किया कि उसे गांव से निकाल दिया जाए क्योंकि वह पूरे गांव की शान मिटा रही थी | एक हफ्ते बाद पता नहीं ऐसा क्या हुआ लोग उसे अगवा करके ले गए | गांव वालों का काम आसान हो गया | 10 साल बाद उसी गांव में लोग बीमार होने लगे | एक डॉक्टर को बुलाया गया | पता है कौन ? हाँ, वही शीला | सब चौक गए कि शीला अब डॉक्टर बन कर उसी गाँव के लोगों का उपचार कर रही है | गांव वालों को बहुत पछतावा हुआ | अगर उस वक्त लोगों ने शीला को पढ़ाया होता तो आज इस डॉक्टर पर गांव वालों का नाम होता |

नाम – टिया शर्मा

कक्षा – अष्टमी

मेरे जीवन में मेरी माँ का महत्व

माँ एक ऐसा शब्द है, जिसके महत्व के विषय में जितनी भी बात की जाये कम ही है। हम माँ के बिना अपने जीवन की कल्पना भी नही कर सकते हैं। माँ की महानता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इंसान भगवान का नाम लेना भले ही भूल जाये लेकिन माँ का नाम लेना नही भूलता है। माँ को प्रेम व करुणा का प्रतीक माना गया है। एक माँ दुनियां भर के कष्ट सहकर भी अपनी संतान को अच्छी से अच्छी सुख-सुविधाएं देना चाहती है।

एक माँ अपने बच्चों से बहुत ही ज्यादा प्रेम करती है, वह भले ही खुद भूखी सो जाये लेकिन अपने बच्चों को खाना खिलाना नही भूलती है। हर व्यक्ति के जीवन में उसकी माँ एक शिक्षक से लेकर पालनकर्ता जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाती है। इसलिए हमें अपनी माँ का सदैव सम्मान करना चाहिए क्योंकि ईश्वर हमसे भले ही नाराज हो जाये लेकिन एक माँ अपने बच्चों से कभी नाराज नही हो सकती है। यही कारण है कि हमारे जीवन में माँ के इस रिश्ते को अन्य सभी रिश्तों से इतना ज्यादा महत्वपूर्ण माना गया है।

कृशकुमार राव

कक्षा – अष्टमी

हिंदी में पहेलियां

1.वह क्या है, जो हमेशा बढ़ती रहती है लेकिन कभी कम नहीं होती है ?

उत्तर – उम्र

2.वह क्या है, जिसमें से आप सब ले लेंगे फिर भी कुछ बच जाएगा ?

उत्तर – सब कुछ

3.वह क्या है जिसे अगर सीधा कर दिया जाए तो वह पानी पिलाती है और अगर उसे उल्टा कर दिया जाए तो वह दीन कहलाती है?

उत्तर – नदी

तेजस द्विवेदी

कक्षा –नवमी

कविताओं का खज़ाना

कल एक झलक ज़िंदगी को देखा,
वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी,
फिर ढूढा उसे इधर-उधर
वो ऑंख मिचौली कर मूस्कुरा रही थी

एक अरसे के बाद आया मुझे करार,
वो सहला के मुझे सुला रही थी
हम दोनों क्यूँ ख़फ़ा है एक दूसरे से
मैं उसे और वो मुझे समझा रही थी

मैंने पूछ लिया - क्यों इतना दर्द दिया कमबख्त तूने,
वो हसीं और बोली - मैं ज़िंदगी हूँ पगले
तुझे जीना सिखा रही थी।

क्या खोजते हो दुनिया में, जब सब कुछ तेरे अन्दर है।
क्यों देखते हो ओरों में, जब तेरा मन ही दर्पण है।
दुनिया बस एक दौड़ नहीं, तू भी अश्व नहीं है धावक ।
रुक कर खुद से बात करले, अन्तर मन को शान्त तो करले।
सपनों की गहराई समझो, अपने अन्दर की अच्छाई समझो।
स्वाध्याय की आदत डालो, जीवन को खुलकर जीलो।

आलस्य तुम्हारा दुश्मन है तो, पुरुषार्थ को अपना दोस्त बनालो।
जीवन का ये रहस्य समझलो, और खुशियों से तुम नाता जोड़ो।

कविताओं का खज़ाना

माना डगर थोड़ी मुश्किल है, मगर नामुमकिन नहीं
करना यहीं है समय यहीं है
चाहे तो सोना बना दो, या सोने में बिता दो !
कुछ भी मेरे सपनों से बड़ा नहीं
कोई भी परेशानी मेरे सपनों से बड़ी नहीं

क्या हुआ अगर तू अकेला है, फिर भी तू मुश्किलों का विजेता है
सूरज बनकर चमकना है गर तो चाँद बनकर रात को जगाना है
अपने मंज़िल के कांटो को तोड़कर लक्ष्य की ओर भागना है !

आखिर एक ही तो ज़िंदगी थी,
वफ़ाए किस किस से करते !
अपने आप से, अपने सपनों से,
अपनी काबिलियत से, अपनी सच्चाई से !
या दूसरों की सोच से या फिर रास्तों पे
आने वाली रुकावटों से !!

अपने पथ पर तुम चलते रहना,
जब तक ईश्वर को झुका न दो।
कभी न छोड़ना अपना पथ तुम,
जब तक खुद को अमर बना न दो।

नाम- नताशा जोशी
कक्षा- अष्टमी

खामोशी से अपनी महनत छुपा लेना
बंद मुट्ठी में दो जहाँ बसा लेना।
कम पड़े ज़मीन तो, आसमान चीर लाना।
अपनी कामयाबी का तू इस कदर परचम लहराना।

प्रदूषण

प्रदूषण एक प्रकार का धीमा जहर है जो हवा, पानी, धूल आदि के माध्यम से केवल मनुष्य जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों, पेड़-पोधों और वनस्पतियों को भी सड़ा कर प्राणियों का अस्तित्व खतरे में डालदेता है | इसी कारण बहुत से प्राणी, जीव-जंतु, पशु-पक्षी, वन्य प्राणी विलुप्त होगए हैं। प्रदूषण के कई अलग-अलग कारण हैं, जिनमे पेड़ो की कटाई, बढते उद्योग, फैक्ट्रियाँ, मशीनें आदि शामिल हैं। प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण है जनसंख्या का तेजी से बढ़ना। इन सभी कारणों की वजह से पिछले कई सालों में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है। यह वायु, जल, मृदा, ध्वनि आदि सभी प्रकार के प्रदूषण को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है।

सोमिल नागले

कक्षा – नवमी

भारत के साँप

भारत में मुख्य रूप से करीब 300 प्रजातियो के साँप पाए जाते है। इनमे से मुख्या रूप से 4 साँप ऐसे है , जिसके काटने पर मनुष्य की मृत्यु हो सकती है। इनमे कॉमन करैत , रसल्स वाइपर , भारतीय सॉ स्केल्ड वाइपर और स्पेक्टैलेड कोबरा। ज़हरीले साँप अपने नुकीले दांतो से विष को हमारी त्वचा पर काट कर हमारे शरीर में डालते है।

जिसके कारण विष हमारे शरीर में फैलता है और हमें त्वचा पर दर्द , साँस लेने में तकलीफ , धुंधला दिखाई देना , घाव के आसपास सूजन , बार - बार उलटी करना आदि लक्षण देखने को मिलते है। भारत मैं 300 में से 180 के करीब बिना जहरवाले साँप है , 40 के करीब हलके ज़हरीले साँप है और 60 के करीब ज़हरीले साँपो की

प्रजातियाँ पायी जाती है। अगर आपको साँप ने काटा हो और आपको उसकी प्रजाति के बारे में पता न हो , तो आपको जल्द से जल्द 25 मिनट के अंदर अपने आस पास के सरकारी अस्पताल से एंटीवेनम इंजेक्शन ले लेना है, नहीं तो आपकी जान भी जा सकती है।वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की माने तो भारत में साँपो से हर साल 81000 लोगों की मृत्यु होती है। अगर आपको कही पर साँप देखने को मिलता हैं । तो आपको जल्द से जल्द वन विभाग या निस्वार्थ वन्यजीव एनजीओ को बुलाना है। भारत में कई सारी वन्यजीव संगठन है जो आपके घर से साँपो को बचाकर उन्हें सुरक्षित जगह पर छोड़ती है। आपको सांपो से हमेशा दूरी बनाये रखनी है ,

क्योंकि साँप आप पर कभी भी हमला कर सकते है। साँप किसान के खेत को चूहों आदि जीवो से बचाते है। भारत में सपेरे सांपो को बहुत नुकसान पहुंचाते है, जिसमे ये लोग सांपो की विष ग्रंथियां निकालकर ,खुदको साँप से सुरक्षित करकर उन्हें जगह - जगह ले जाकर बीन बजाकर करतब दिखाते है। इनके विष ग्रंथियां निकलने पर साँप कुछ ही दिनों का मेहमान होता है और वह जल्द ही मर जाता है।

भारत मैं लोग सांपों को भगवान मानते है और सपेरे उस ही चीज़ का फायदा उठाकर लोगो से भीख मांगते है। लोग सपेरों को दूध एवं पैसे देते है। सांप दूध कर सेवन नहीं करता है | वे कीटों, खरगोशों, पक्षी एवं मांस का सेवन करते है | साँपो को शारीरिक रूप से कान नहीं होते वे कंपन को महसूस करकर हमला करते है। सांपों के बिना, शिकार प्रजातियों की संख्या अप्राकृतिक स्तर तक बढ़ जाएगी और पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता को नष्ट कर देगी। इसी तरह यदि बड़ी संख्या में सांपों को मार दिया जाता है, तो सांप खानेवाले शिकारियों को भोजन खोजने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा । हमें साँप को न मारकर , बचाना चाहिए।

नाम - प्रथम बारोट

कक्षा – दशमी

वर्तमान परिदृश्य में शिक्षक की भूमिका

आचार्य चाणक्य ने एक बहुत सुंदर बात कही थी कि शिक्षक साधारण नहीं होता एक शिक्षक की गोद में प्रलय और निर्माण दोनों खेलते हैं उनके अनुसार शिक्षक के ज्ञान में वह शक्ति होती है कि वह अपने पोषण करने वाले का खुद ही निर्माण कर सकता है। आज से लगभग 2300 साल पहले आचार्य चाणक्य द्वारा कही गई बात अक्षरश सही तो बैठती है पर आज के परिदृश्य में गुरु की व्याख्या बदल गई है मानवी गुरु के साथ-साथ मायावी गुरु ने भी जगह ले ली है , जी हाँ मैं बात कर रही हूं सोशल मीडिया की जहाँ अनेक तौर तरीके ज्ञान को पा लेने के हैं, और अब सारी ज़िम्मेदारी ज्ञानार्थी के साथ-साथ उनसे जुड़े सभी उत्तरदायी व्यक्तियों की भी हो जाती है ।

आज जो शिक्षा एक बच्चा सोशल मीडिया के जरिए ले रहा है वहाँ बच्चे का निर्माण और प्रलय शिक्षक रुपी सोशल मीडिया के हाथ में है जहाँ पहले सारा उत्तरदायित्व एक मानवीय शिक्षक पर होता था ।आज परिस्थितियां बदल गई है बच्चे को समझने और समझाने के लिए विद्यालय के शिक्षक का हाथ अब कुछ प्रतिशत ही रह गया है क्योंकि बच्चा ज़्यादा समय सोशल मीडिया को दे रहा है और वहाँ उस परनज़र रखने के लिए अभिभावक व घर के अन्य सदस्य भी उतने ही ज़िम्मेदार हैं, क्योंकि बच्चे के पास वहाँ से प्राप्त ज्ञान के साथ-साथ अनर्गल बातों का एक संसार भी परोसा हुआ रखा है ,अब वह क्या ग्रहण करता है इस पर हर वक्त नज़र नहीं रखी जा सकती ।

अब एक शिक्षक को उसमें सही गलत चीजों को देखने की क्षमता और ग्रहण करने का विकास कराना होगा तो आज के शिक्षक का उत्तरदायित्व और उसकी चुनौतियां बहुत विस्तृत हो गई हैं। साथ ही एक शिक्षक को अपनी शिक्षा और सिखाने की तकनीक में ऐसे परिवर्तन करने होंगे कि उसकी उपयोगिता बच्चे के आगे बनी रहे ।शिक्षकों के ज्ञान और उनके स्वभाव में लगातार परिवर्तन जो हम देख रहे हैं उससे भी परेशानियाँ बढ़ी हैं।

गुरुकुल परिपाटी से चलता हुआ छात्र जीवन और फिर कान्वेंट से होता हुआ आधुनिक तकनीकी तंत्र में उलझा विद्यालयीकरण से जूझता छात्र जीवन ज्ञान को सिर्फ वेतन भोगी शिक्षा तक सीमित करता गया। पर हकीकत में शिक्षा का महत्व विद्यार्थी की क्षमताओं को पता लगाना, सामाजिक रूप से भी उत्कृष्ट व्यक्ति बनाना और व्यवहार और अनुशासनबद्ध जीवन शैली सिखाना है ,और एक शिक्षक का दायित्व बच्चे के मन में सीखने की इच्छा को जागृत करना भी है, जब हम एक शिक्षक की बात करते हैं तो उसमें नेतृत्व शक्ति ,धैर्य उत्साह, आत्मसम्मान ,स्वस्थ चारित्रिक रूप से पूर्ण व्यक्ति का अक्स हमें दिखाई देता है अगर कहीं ये खूबियाँ विलुप्त हैं तो एक बच्चे से हम उम्मीद नहीं रख सकते।

शिक्षा का बाजारीकरण व्यवसायीकरण आज देश के समक्ष बड़ी चुनौती हैं। हम अगर प्राचीन काल की बात करें तो गुरु जब शब्द रखा गया था तो यहां "गु" का अर्थ "अंधकार" और "रू"का "नष्ट करने वाला" अर्थात गुरु का शाब्दिक अर्थ हुआ " अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला"

गुरु राष्ट्र का निर्माण करने वाला होता है, वह ज्ञान प्रदाता, पथ प्रदर्शक होता है, किंतु समय के साथ-साथ आए परिवर्तनों ने शिक्षा के गरिमा को धूमिल किया है विद्वान और शिक्षा अलग-अलग चीजें हैं। विद्वान शिक्षक को शिक्षण के लिए शिक्षा देने के लिए तत्पर करता है और शिक्षक उस शिक्षा को बच्चों तक पहुंचाता है, तो जरूरी नहीं है कि एक शिक्षक विद्वान भी हो लेकिन शिक्षक में शिक्षक के गुण तो होने ही चाहिए। वह भी धीरे-धीरे विलुप्त होते दिखाई देंगे तो यह देश के लिए एक बहुत ही दुर्भाग्य की बात होगी। और विद्यार्थी और शिक्षक के एहसास का आज मशीनीकरण हो गया है ।

आज युग ही "कल" है कलयुग का मतलब ही मशीनी युग से है तो हम जब इस मशीनी युग में जी रहे हैं तो मशीनी युग में पढ़ाई कैसी हो और एक शिक्षक कैसा हो यह भी नए ढंग से जानने की आवश्यकता पड़ गई है ,पर एक शिक्षक हमेशा से एक बच्चे के लिए पथ प्रदर्शक ,व मार्गदर्शक के रुप में रहा है।

एक कहानी मुझे याद आती है कि एक व्यक्ति दो घड़ों में पानी लेकर नदी से घर जाता था ,एक बार एक घड़े में छोटा सा छेद हो जाता है , जब व्यक्ति पानी लेकर घर तक जाता तो एक घड़ा पूरा भरा होता और एक घड़ा आधा भरा हुआ घर तक पहुंचता । इस पर उस घड़े को बहुत दुख होता है कि मेरा मालिक इतनी मेहनत करता है पर मैं उसको सिर्फ आधा घड़ा पानी दे पाता हूँ ।वह व्यक्ति से कहता है कि आप इतनी मेहनत करते हो, बगल वाला घड़ा पूरा भरा हुआ आता है और मैं आधा ।

व्यक्ति उस घड़े को कहता है कि तुमने कभी फूलों को मुस्कुराते देखा है, जिस रास्ते पर हम आते जाते हैं तुमने वहाँ फूल देखे हैं तो घड़ा पूछता है कि मेरा उस बात से क्या रिश्ता वह तो फूल है मुस्कुराएंगे ही, तो व्यक्ति उस रास्ते पर वापस से घड़े को लेकर जाता है और बताता है कि मैं जिस तरफ तुम्हें रखता हूँ वहाँ मैंने बीज डाल दिए थे और तुमने उनकी सिंचाई करी क्योंकि जब जब हम उस रास्ते से गुजरते थे तुम्हारा वहाँ पानी गिरा था और यह बीज पनप गए इतने सुंदर फूल बन गए ।जो भी इधर आता है वह हमेशा तुम्हें इस चीज के लिए उत्तरदायी मानते हुए तुम्हारी तारीफ करता है ,तो तुम इस बात से दुखी मत हो तुम्हारी उस कमी को मैंने सकारात्मक रूप से उपयोगी बना दिया।

तो आज के परिदृश्य में शिक्षक का भी वही कार्य है कि वह कलयुग के मशीनीकरण में जब हमारे एहसास भी मशीनी हो गए हैं सब बच्चों की उसकी व्यवस्था के साथ सकारात्मक रूप में ढ़ाल सकें ,इस चुनौती को स्वीकार करें तो आज का शिक्षक भी उतना ही सार्थक होगा ।

डॉ तरुणा माथुर
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक –कला शिक्षा

योगाभ्यास और उसका महत्त्व

"योगः चित्तवृत्तिनिरोधः" अर्थात् चित्त की वृत्तियों को विषयों से निरोध करना अथवा मन को नियंत्रण में करना ही योग है | योग से हम न केवल शरीर को अपितु हमारे मन और बुद्धि को भी नियंत्रित किया जाता है | योग शरीर और मन के मध्य सामंजस्य स्थापित करने के तरीका है | योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अपितु मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वाथ्य के लिए भी आवश्यक है |

योग आसन हमेशा योग संस्कृति में एक महत्वपूर्ण चर्चा रही है। विदेशों में स्थित कुछ योग स्कूलों में योग मुद्राओं को खड़े रहने, बैठेने, पीठ के बल लेटने और पेट के बल लेटने के रूप में वर्गीकृत किया गया है लेकिन योग के वास्तविक और पारंपरिक वर्गीकरण में कर्म योग, ज्ञान योग, भक्ति योग और क्रिया योग सहित चार मुख्य योग शामिल हैं।

योग के प्रकार व उनके महत्व-

1. **कर्म योग-** यह पश्चिमी संस्कृति में 'कार्य के अनुशासन' के रूप में भी जाना जाता है। यह योग के चार महत्वपूर्ण भागों में से एक है। यह निस्वार्थ गतिविधियों और कर्तव्यों के साथ संलग्न हुए बिना तथा फ़ल की चिंता किए बिना कोई काम करना सिखाता है। यह मुख्य पाठ है जो कर्म योगी को सिखाया जाता है। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते है – "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन् |" अर्थात् फल की कामना किये बिना कर्म करना ही कर्मयोग है |

यह उन लोगों के लिए है जो आध्यात्मिक पथ की खोज करते हैं और परमेश्वर के साथ मिलना चाहते हैं। इसका अपने नियमित जीवन में ईमानदार तरीके से नतीजे की चिंता किए बिना अपने कर्तव्य का संचालन करके भी अभ्यास किया जा सकता है। यह आध्यात्मिक विकास का मार्ग है। असल में कर्म जो हम करते हैं वह क्रिया है और उसका नतीज़ा इसकी प्रतिक्रिया है। व्यक्ति का जीवन अपने कर्म चक्र द्वारा शासित होता है। अगर उस व्यक्ति के अच्छे विचार, अच्छे कार्य और अच्छी सोच है तो वह सुखी जीवन जिएगा वहीँ वह व्यक्ति अगर बुरे विचार, बुरे काम और बुरी सोच रखता है तो वह दुखी और कठिन जीवन जिएगा | आज की दुनिया में ऐसे निस्वार्थ जीवन जीना बहुत मुश्किल है क्योंकि मानव कर्म करने से पहले फ़ल की चिंता करने लगता है। यही कारण है कि हम उच्च तनाव, मानसिक बीमारी और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कर्म योग सभी भौतिकवादी रास्तों से छुटकारा पाता है और एक खुश और सफल जीवन का नेतृत्व करता है।

2. **ज्ञान योग-** इसे 'विज़डम योग' के रूप में भी जाना जाता है। यह सभी के बीच एक बहुत ही कठिन और जटिल रास्ता है। यह किसी व्यक्ति को गहरी अंतरात्मा के मन से ध्यान और आत्म-प्रश्न सत्र आयोजित करने के द्वारा विभिन्न मानसिक तकनीकों का अभ्यास करके आंतरिक आत्म में विलय करना सिखाता है।

यह किसी व्यक्ति को स्थायी जागरूक और अस्थायी भौतिकवादी दुनिया के बीच अंतर करना सिखाता है। यह पथ 6 मौलिक गुणों - शांति, नियंत्रण, बलिदान, सहिष्णुता, विश्वास और ध्यान केंद्रित करके मन और भावनाओं को स्थिर करना सिखाता है। लक्ष्य को प्राप्त करने और सर्वोत्तम तरीके से इसे करने के लिए एक सक्षम गुरु के मार्गदर्शन में ज्ञान योग का अभ्यास करने की सलाह दी जाती है।

3. **भक्ति योग-** इसे 'आध्यात्मिक या भक्ति योग' के रूप में भी जाना जाता है। यह दिव्य प्रेम के साथ जुड़ा हुआ है क्योंकि यह प्रेम और भक्ति के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान का सबसे बड़ा मार्ग है। इस योग के रास्ते में एक व्यक्ति भगवान को सर्वोच्च अभिव्यक्ति और प्यार के अवतार के रूप में देखता है। इसकी मुख्य विशेषताएं हैं - भगवान का नाम जपना, उसकी स्तुति या भजन गाना और पूजा और अनुष्ठान में संलग्न होना। यह सबसे आसान और सबसे लोकप्रिय है। भक्ति योग मन और हृदय की शुद्धि से जुड़ा है और कई मानसिक और शारीरिक योग के अध्यासन के द्वारा इसे प्राप्त किया जा सकता है। यह प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहस देता है। यह मूल रूप से दयालुता का एहसास कराती है और परमात्मा को दिव्य प्रेम से शुद्ध करने पर केंद्रित है।

4. **क्रिया योग-** यह शारीरिक अभ्यास है जिसमें कई शरीर मुद्राएं ऊर्जा और सांस नियंत्रण या प्राणायाम की ध्यान तकनीकों के माध्यम से की जाती हैं। इसमें शरीर, मन और आत्मा का विकास होता है। क्रिया योग का अभ्यास करके पूरे मानव प्रणाली को कम समय में सक्रिय किया जाता है। सभी आंतरिक अंग जैसे कि यकृत, अग्न्याशय आदि सक्रिय हैं। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक हार्मोन और एंजाइमों को सक्रिय अवस्था में लाया जाता है। रक्त ऑक्सीजन की उच्च मात्रा को अवशोषित करता है और जल्द ही डी-कार्बोनाइज हो जाता है जो आम तौर पर बीमारियों की संख्या घटाता है। सिर में अधिक परिसंचरण के माध्यम से मस्तिष्क की कोशिकाओं को सक्रिय किया जाता है जिससे मस्तिष्क की कामकाजी क्षमता बढ़ जाती है और स्मृति तेज हो जाती है और व्यक्ति जल्दी थका हुआ महसूस नहीं करता।

योग गुरु या शिक्षक के मार्ग-निर्देशन में योग के इन चारों अंगों का समुचित अभ्यास करवाया जा सकता है | योग्य गुरु के बिना योगाभ्यास करना असंभव है | अतः जीवन में कल्याण चाहने वाले व्यक्ति को योग के इन चारों अंगों का अभ्यास योग्य गुरु अथवा शिक्षक के निर्देशन में ही करना चाहिये |

डॉ राजेश कुमार गुप्ता
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)

वैदिक साहित्य का परिचय

विश्व के पुस्तकालयों में सबसे प्राचीन ग्रंथ वेद है। वैदिक परम्परा के अनुसार आज से लगभग १ अरब ९६ करोड़ ,८ लाख,५३ हज़ार वर्ष पूर्व,जब इस पृथ्वी पर मनुष्य की सर्वप्रथम उत्पति हुई तब ईश्वर ने चार ऋषियों अग्नि ,वायु, आदित्य और अंगिरा को क्रमशः ऋग्वेद,युजर्वेद,सामवेद तथा अर्थववेद का ज्ञान प्रदान किया। इन्ही ऋषियों ने अन्य मनुष्यों को इन वेदों का ज्ञान दिया और तब से आज तक गुरु परम्परा से इन वेदों का आदान-प्रदान चलता चला आ रहा है । बहुत लम्बे काल तक वेद श्रवण दवारा ही ग्रहण किये जाते रहे | इस कारण इनका एक नाम श्रुति भी है ; बाद में इन्हे पुस्तक रूप में भी लिख लिया गया। ऋग्वेद का मुख्य विषय पदार्थ ज्ञान है। अर्थात इसमें मुख्य रूप से संसार में विद्यमान पदार्थों का स्वरूप बताया गया है । युजर्वेद में कर्मों के अनुष्ठान को ,सामवेद में ईश्वर की भक्ति उपासना के स्वरूप को तथा अर्थववेद में विभिन्न प्रकार के विज्ञान को मुख्य रूप से बताया गया है । ऋग्वेद के मंत्रों की संख्या १०५५२, युजर्वेद की ११७५, सामवेद की १८७५ तथा अर्थववेद की ५१७७ है | चारों वेदों में कुल २०३७९ मंत्र है।

इन वेदों का एक-एक उपवेद भी है। ऋग्वेद के उपवेद का नाम आयुर्वेद है जिसमें स्वास्थ्य ,स्वस्थ रहने के उपाय, रोग, रोगों के कारण, औषधियों तथा चिकित्सा का मुख्य रूप से वर्णन किया गया है | युजर्वेद के उपवेद का नाम धनुर्वेद है, जिसमें सेना हथियार, युद्ध कला के विषय का वर्ण है। सामवेद के उपवेद का नाम "गंधर्ववेद" है, जिसमें गायन,वादन,नर्तन आदि विषयों का वर्णन किया गया है और अथर्वेद के उपवेद का नाम "अर्थवेद "है जिसमें व्यापार अर्थव्यवस्था आदि विषयों का वर्णन है।

ऋषियों ने वेदों के भाष्य रूप में सर्वप्रथम जिन ग्रन्थों की रचना की उन ग्रंथों को ब्राह्मण ग्रंथ कहते हैं | जो ऋग्वेद का ऐतरेय, और यजुर्वेद का शतपथ,सामवेद का ताण्डय तथा अथर्ववेद का गोपथ नाम से प्रसिद्ध है। जिन ग्रंथो में ऋषियों ने वेदों में वर्णित ब्रह्मविद्या से संबंधित आध्यात्मिक तत्वों यथा ब्रह्म,जीव,मन,संस्कार,जप,स्वाध्याय, तपस्या, ध्यान, समाधि आदि विषयों का आलंकारिक कथाओं के साथ सरल रूप से वर्णन किया है उनका नाम उपनिषद् है ।इन उपनिषदों में ईशोपनिषद् आदि 10 उपनिषद प्रमुख है।

ऋषियों ने जिन ग्रंथो में वेदों के दार्शनिक तत्वों की विस्तार से एवं शंका समाधान पूर्वक विवेचना की है ,उनका नाम उपाडंग या दर्शन शास्त्र है। ये संख्या में छ: है, जिनके नाम मीमांसा,वेदान्त न्याय, वैशेषिक,सांख्य और योग है। जैमिनी ऋषिकृत मीमांसा - दर्शन में धर्म, कर्म यज्ञादि का वर्णन है ;जबकी व्यास ऋषि कृत वेदांत- दर्शन में ब्रह्मा का ,गौतम ऋषि कृत न्याय -दर्शन में तर्क, प्रमाण व्यवहार व मुक्ति का; कणाद ऋषिकृत वेशोषिक- दर्शन में ज्ञान विज्ञान का, कपिल ऋषिकृत सांख्य-दर्शन में प्रकृति, पुरुष का तथा ऋषि पंतजलि रचित योग- दर्शन में योग –साधना, ध्यान, समाधि आदि विषयों का वर्णन है।

वेद मंत्रों के गंभीर व सूक्ष्म अर्थों को स्पष्टता से समझने के लिए ऋषियों ने 6 अंगो की रचना की, जिन्हें वेदाङ्ग कहा जाता है। ये है शिक्षा, कल्प, व्याकरण ,निरुक्त, छंद तथा ज्योतिष। शिक्षा ग्रंथ में संस्कृत भाषा के अक्षरों का वर्णन उनकी सख्या ,प्रकार उच्चारण- स्थान –प्रयत्न आदि के उल्लेख सहित किया गया है। व्याकरण ग्रंथ में शब्दों की रचना ,धातु, प्रत्यय तथा कौन- सा- शब्द किन –किन अर्थों में प्रयुक्त होता है, इन बातों का उल्लेख है। वेद मंत्रों के शब्दों का अर्थ किस विधि से किया जाए ,इसका निर्देश निरुक्त ग्रंथ में किया है।

सकलित - संगीता अरोडा
पी जी टी भौतिक-विज्ञान

रचनात्मक अभिव्यक्ति

संस्कृत –विभाग

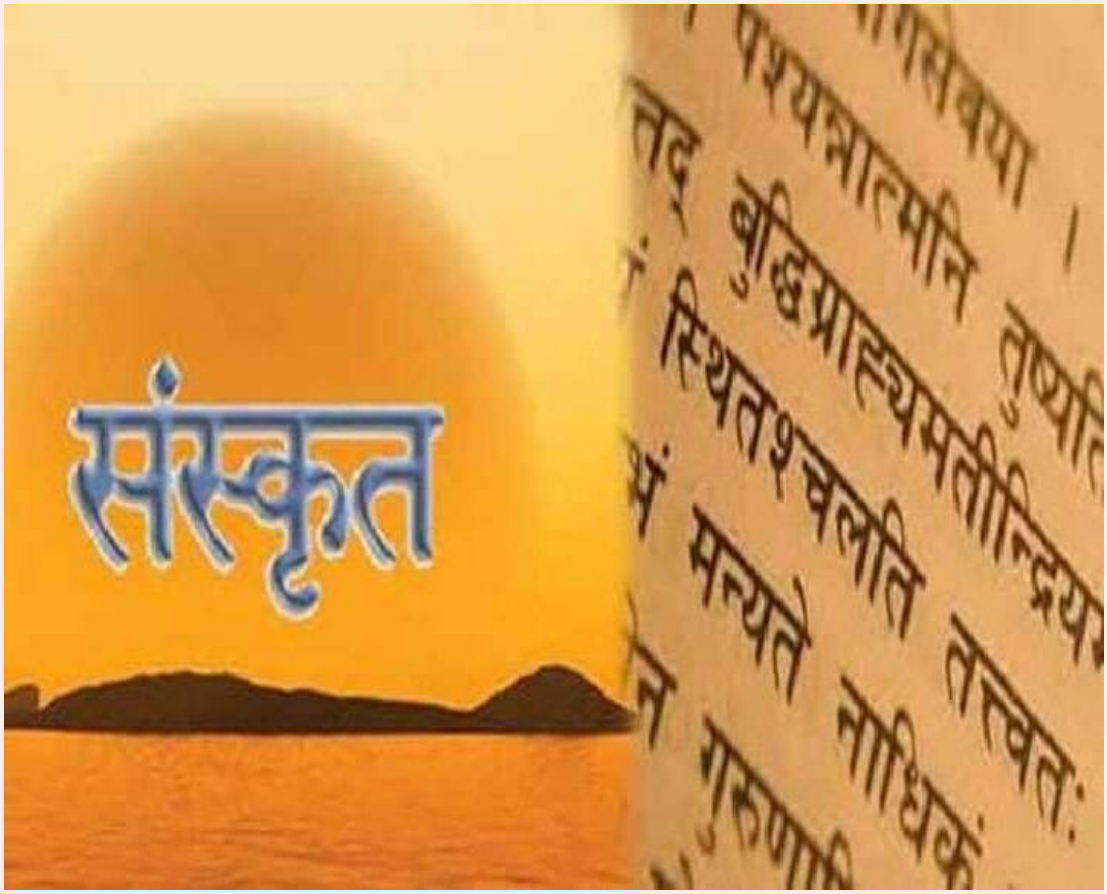

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्।।

बक: कर्कटक: च

हिमालयस्य *समीपे एक: सरोवर: आसीत् । तस्य सरोवरस्य समीपे एक: बक:अवसत् ।*

कालान्तरे स: बक: वृद्ध: अभवत् । अत: स: मत्सयानां ग्रहणं कर्तुम् असमर्थ: अभवत् । अनन्तरं बक: स्वस्थ जीवनस्य रक्षणाय एकस्य उपायस्य चिन्तनम् अकरोत् । उपायानुसरं बक: सरोवरस्य समीपे उपविश्य रोदनम् अकरोत् । तदा एक: कर्कटक: बकम् अपश्यत् ।

स: बकम् अपृच्छत् - भो बक ! भवान् किमर्थं रोदनं करोति ? इति । बक: तस्य प्रश्नस्य उत्तरम् अयच्छत् - कर्कटक ! अस्मिन् वत्सरे वृष्टि: न भविष्यति । अत: जलस्य न्यूनतया वयं पीडिता: भविष्याम: ।

अतः एव अहं रोदनं करोमि इति। कर्कटकः अपि दुःखितः इदानीं किं कुर्मः?

इति बकस्य निकटे उपायं अपृच्छत्। बकः अवदत्, मम जलपूर्णस्य अन्यस्य सरोवरस्य परिचयः अस्ति । तत्र वयं गत्वा जीवामः इति ।

कर्कटकः तर्हि भवानेव मम, बन्धुजनानां च रक्षणं करोतु इति अवदत् । वञ्चकः बकः एकैकस्मिन् दिने एकं कर्कटकं नीत्वा अखादत् ।

अतः अवोक्तम् – "वञ्चकस्य विषेये विश्वासः न करणीयः।"

संकलयिता -उमंग गुप्ता
कक्षा- अष्टमी

जय वृक्षः जय वृक्षः

श्रूयताम् सर्वे वृक्षपुराणम् ,
क्रियताम् तथा वृक्षारोपणम्।
वृक्षस्यास्ति सुन्दरम् याति मूलं बहुदूरम्।।

मूलेपी अन्नम्, तस्य काष्ठं कठिनम् ,
काष्ठं कठिनं भवति इन्धनार्थम्।
पर्णेषु भवति हरितद्रव्यम् ,
अतो हि अस्ति रे पर्ण हरितम्।।

पुष्पम् सुन्दरम्, अतीव मोहकम् ,
पुष्पम् तस्य भवति रे देवपूजार्थम्।
फलम् रसमयं, तस्य फलं स्वादपूर्णम् ,
फलम् हि अस्ति रे खगस्य अन्नम् ।।

जलवातप्रकाशैः निर्माति अन्नम् ,
तेन हि अन्नेन वर्धते नित्यम्।
वृक्षस्य दृश्यताम् सर्वम् हि कार्यम् ,
जीवनं तस्यास्ति परोपकारार्थम्।।

वृक्षे हि कुर्वन्ति विहगाः नीडम् ,
केचित् तु कुर्वन्ति काष्ठे हि छिद्रम्।
आतपे तिष्ठति वर्षानुवर्षम्,
अन्येषां करोति छायाप्रदानम्।।

वृक्षो नैव अत्ति रे स्वकीयं फलम्,
सर्वम् हि अंगम् तस्य लोकहितार्थ।
जनाः न स्मरन्ति तस्य उपकारम्,
बहुधा कुर्वन्ति वृक्षच्छेदनम्।।

मास्तु रे मास्तु ईदृशं पापं,
यथाशक्ति क्रियताम् वृक्षारोपणम्।
नैव रे नैवास्तु वृक्षकर्तनम्,
सर्वे हि कुर्वन्तु तद्संवर्धनम्।।

संकलयत्री- ध्यानी राठौड़
कक्षा – अष्टमी

संस्कृतस्य महत्वम्

संस्कृत भाषा विश्वस्य सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा भाषा अस्ति।

संस्कृतभाषा देवभाषा- इति नाम्ना प्रसिद्धा अस्ति। महर्षि पाणिनि संस्कृतस्य जनक: मन्यते। भारतस्य अनेका भाषायाः मूलभाषा संस्कृतं अस्ति, यथा: हिन्दी, मराठी, कश्मीरी, ओड़िया, आदि। अस्माकं भारतस्य शास्त्राणि, पुरानानि च संस्कृतमेव अस्ति। महर्षि वाल्मीकिः, वेदव्यास:, कालिदास:, पाणिनि: संस्कृत-भाषाया: प्रसिद्धाः कवयः सन्ति। एषा मम प्रियभाषा अस्ति। एतत् अनमोल धनं अस्ति। अतः संस्कृतं पठ, संस्कृतं लिख, संस्कृतम् एव वद।

जागृति बलागा
कक्षा –नवमी

मम माता

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।

अस्मिन् संसारे मातुः स्थानं सर्वोत्कृष्टम् अस्ति ।

माता प्रथमं गुरु: भवति।

मम मातुः नाम कैलाश मकवाणा अस्ति।

सा एका कुशल- ग्रहिणी परिश्रमी महिला च अस्ति।

मम माता प्रातःकाले चतुर्वादने उत्तिष्ठति, ग्रहकार्यं च करोति ।

सा परमकल्याणी अस्ति।

सा एका गृहिणी अस्ति।

सा माम् प्रतिदिनं अध्यापयति।

मम माता अतीव स्नेहमयी ।

माता विना जीवनं निरर्थकम् ।

तस्याः वर्णनं कर्तुम् शब्दस्य न्यूनता भवेत्।

मह्यं मम माता अतीव रोचते।

सा तु स्वर्गादपि गरीयसी।

नाम – माही मकवाणा
कक्षा – सप्तमी

प्रणमामि शिवं शिवसिद्धिकरम्

श्रुतिगम्य! चराचरपालक! भो:!
करुणार्णव! ईश! महेश विभो!
त्वंशेष! विशेष! महेश! ऋतं,
प्रणताय प्रदेहि शिवं विभवम् ||1||

गिरिराजसुताहृदयाधिपतिं
भुजगेन्द्रविभूषितकृष्णतनुम् |
जगदादिगुरुं जगतो जनकं,
प्रणमामि भवं भवभीतिहरम् ||2||

कलिमानसदोषहरं सकलं,
नृप-दानव-दर्प-विनाशकरम् |
सुर-दानव-सेवित-पादयुगं,
प्रणमामि भवं भवदु:खहरम् ||3||

गणनाथ-षडाननयोः पितरं,
निगमागम-वर्णित-योगिवरम् |
त्रिपुरारिमनादिमखण्डमजं,
प्रणमामि भवं भवतापहरम् ||4||

अघनाशक-शूल-पिनाकधरं,
शशिशोभित-भालममन्दगतिम् ।
वृषवाहन-राजित-माररिपुं,
प्रणमामि भवं भवसौख्यकरम् ॥5॥

भवतारण-कारण-नाशकरं,
करुणाकर-भाग्यविधातृवरम् ।
यमपाश-विमुक्तिकरं वरदं,
प्रणमामि भवं भवजाड्यहरम् ॥6॥

गिरिदुर्गम-देशनिवासिमृडं,
भुवि घोरहलाहल-पानकरम् ।
मुनि-मानव-वन्दित-दिव्यतनुं
प्रणमामि भवं भवमृत्युहरम् ॥7॥

भवसागर-नाविक-नीलगलं,
प्रमथाधिपतिं शवभस्मधरम् ।
गतमोहमलं प्रयतं शुभदं,
प्रणमामि भवं भवमोहहरम् ॥8॥

जगदीशमापारमनन्तशुभं
जप-योग-तपः-श्रुति-यज्ञमयम् |
शम-रौद्र-भयानक-भावधरं,
प्रणमामि भवं भवभूतिधरम् ||9||

नटनागर-ताण्डव-नृत्यकरं
पशुयक्षपतिं भुवनाधिपतिम् |
भवपावकविष्णुपदीशिरसं,
प्रणमामि भवं भववैभवदम् ||10||

शुचिचन्दन-चर्चित-लिङ्गपरं,
विधिलेखसुधारक-जीवनदम् |
बल-बुद्धि-विवेक-करं सततं,
प्रणमामि शिवं शिवसिद्धिकरम् ||11||

रचयिता –
डॉ. राजेश कुमार गुप्ता
स्नातकोत्तर शिक्षक (हिन्दी)

Creative Expression

अंग्रेजी –विभाग

ENGLISH DEPARTMENT

YOUR BEST

If you always try your best
Then you'll never have to wonder
About what you could have done
If you'd summoned all your thunder
And if you're best
Was not as good
As you hoped it would be,
You still could say,
"I gave today
All that I had in me."

Arya Singh Chauhan
(Std. 9)

Perseverance Of Successful Life

Who says that things cannot be done?
Nothing is impossible on this earth;
All of the things are possible under the sun;
But perseverance should be their friend;
Perseverance helps in building patience
The one who gives up with ease is a fool!
The wise person labors with determinations
Yet, one must choose the things that one can do,
And go full steam ahead, till comes success.
Perseverance is the secret of success;
By continual toil, failures can be avoided
Great things are done by burning midnight oil!
“The toiler harvests the best fruit in life.”

By:- Bhavani Singh
(Std 7)

A TO Z RHYME

A - Arjun is a great warrior.

B - Balarama is the elder brother of Krishna.

C - Chanakya is an ideal teacher.

D - Dhruva is a pole star in Mahabharat.

E - Eklavya is a great devotee of Guru Dhronacharya.

F - Four Vedas are the holy books of Hinduism.

G - Gayatri mata is the mother of knowledge.

H - Hanuman is a great devotee of Ram.

I - Indra is the God of heaven.

J - Jatayu is a divine bird and a savior in Ramayan.

K - Krishna teaches Bhagvad Gita to Arjun.

L - Lav-Kush are the sons of Sita Ram.

M - Muni Valmiki wrote the Ramayan.

N - Narad recites the mantra always.

O - Omkara is a divine sound.

P - Prahalad sees lord Vishnu everywhere.

Q - Queen Gandhari is the symbol of the role of a Hindu woman.

R - Ram is a great ruler of Ayodhya.

S - Surya is the creator of the universe.

T - Tulsi is the goddess of ayurvedic plants.

U - Uddhava Gita was taught by lord Krishna to Uddhava.

V - Veena is played by Maa Saraswati.

W - The water of the river Ganga is very pure.

X - Xeerabdi Dwadasi is a Hindu ritual.

Y - Yashoda is the mother of Krishna.

Z - Zamvant is a great devotee of Ram and Cheeranjivi.

Name - Tanisha Bhavsar
(**Std. 10**)

INTERESTING WORLD FACTS

1. Glaciers and ice sheets hold about 69 per cent of the world & #39; s freshwater.
2. The fastest gust of wind ever recorded on Earth was 253 miles per hour.
3. Recent droughts in Europe were the worst in 2,100 years.
4. The best place in the world to see rainbows is in Hawaii.
5. There are fossilized plants in Greenland less than 1.4 km of ice.

Name: Vraj Patel (STD 6)

THE BOY WHO CRIED WOLF

Once, there was a boy who became bored when he watched the village sheep grazing on the hillside. To entertain himself, he sang out, “Wolf! Wolf! The wolf is chasing the sheep!” When the villagers heard the cry, they came running up the hill to drive the wolf away. But, when they arrived, they saw no wolf. The boy was amused when seeing their angry faces. “Don’t scream wolf, boy,” warned the villagers, “when there is no wolf!” They angrily went back down the hill. Later, the shepherd boy cried out once again, “Wolf! Wolf! The wolf is chasing the sheep!” To his amusement, he looked on as the villagers came running up the hill to scare the wolf away. As they saw there was no wolf, they said strictly, “Save your frightened cry for when there is a wolf! Don’t cry ‘wolf’ when there is no wolf!” But the boy grinned at their words while they walked grumbling down the hill once more. Later, the boy saw a real wolf sneaking around his flock. Alarmed, he jumped on his feet and cried out as loud as he could, “Wolf! Wolf!” But the villagers thought he was fooling them again, and so they didn’t come to help. At sunset, the villagers went looking for the boy who hadn’t returned with their sheep. When they went up the hill, they found him weeping. “There was a wolf here! The flock is gone! I cried out, ‘Wolf!’ but you didn’t come,” he wailed. An old man went to comfort the boy. As he put his arm around him, he said, “Nobody believes a liar, even when he is telling the truth!”

Harsh Bhatt (Std.10)

THOUGHTS

1. **“Money and success don’t change people; they merely amplify what is already there.”- Will smith**

2. **“To write about life first you must live it.”- Earnest Hemingway**

3. **“The purpose of our life is to be happy”.- Dalai lama**

4. **“Never take life seriously. Nobody gets out alive anyway.”**

5. **“It is our choices that show what we truly are, far more than our abilities.” - J. K. Rowling**

RIDDLES

1. Riddle: What has to be broken before you can use it?
   Answer: An egg

2. Riddle: I’m tall when I’m young, and I’m short when I’m old. What am I?

Answer: A candle

3. Riddle: What is so fragile that saying its name breaks it?
Answer: Silence.

4. Riddle: What can fill a room but takes up no space?
Answer: Light

5. Riddle. What can you break, even if you never pick it up or touch it?

Answer: A promise

6.. Riddle: What goes up but never comes down?
Answer: Your age

7. . Riddle: What can you keep after giving to someone?
Answer: Your word

RIDDLES FOR STUDENTS

- *What five-letter word becomes shorter when you add two letters to it?*
- *What Begins with an 'e' and only contains one letter?*
- *You see me once in June, twice in November but not at all in May. What am I?*
- *What in 3/7th chicken, 2/3rd cat and 2/4th goat?*
- *I am a word of letters three; add two and fewer there will be. What word am I?*
- *What word of 5 letters has one left when 2 are removed?*
- *What is the end of "everything?"*
- *The more you take, the more you leave behind. What are they?*

ANS : (1 Short , 2 An Envelope , 3 'E', 4 'E', 5 Chicago, 6 Few, 7 Stone, 8 'g', 9 River, 10 Foot-steps)

Name: Jagruthi Balaga

Class: IX

Interesting Facts

1) The fastest gust of wind ever recorded on Earth was 253 miles per hour.

2) The best place in the world to see rainbows is in Hawaii.

3) Climate change is causing flowers to change color.

4) Africa and Asia are home to nearly 90 percent of the world`s rural population.

5) Hot water will turn into ice faster than cold water.

6) Ant`s take rest for around 8 minutes in 12 hours period.

7) Wearing headphones for just an hour will increase the bacteria in your ear by 700 times.

8) Australia is wider than the moon.

9) When the moon is directly overhead, you will weigh slightly less.

10) The Kumbh Mela is visible from space.

Name: Himanshu Gupta (Class: IX)

BOOK REVIEW

Name of the series: Solo leveling/ Only I level up

The story is written by Chugong

Storyline:

The story revolves around E- Rank hunter, Sung Jin-woo, who is also called “the weakest hunter”. In this world, dungeons are opening everywhere filled with different monsters. All the awakened people who can use magic and clear the dungeons are called Hunters. The hunters are ranked based on their different powers and specialties in a particular field. Hunter Sung Jin Woo, one day enters a low-rank dungeon with his team. But somehow the dungeon had another dungeon in it and they went to defeat the boss. When they entered, the dungeon closed its escape routes. It was filled with tall statues. The ones who tried to escape were instantly killed, Sung-jin woo was terrified and somehow he figured out how to survive there, but most members didn’t listen to him. After most of their members were wiped out, those who survived till the end left Sung jin to woo in the dungeon, he was severely injured. Sung-jin woo had passed the test created by that dungeon, now he can level up by killing more and more monsters, he can increase his strength, intelligence, speed etc. only he had these unique powers, he would get the results of his hard work and he can improve himself ho much he wanted. Will he become the strongest? Does he have a limit? How the world will react when the weakest hunter becomes the strongest? Why was he chosen, what is the secret behind his incredible power?

To know the answer, you should read it. It has a really good

Story and its art are also amazing. Its web novel is published by D & amp; C media.

Name: Kunj Baria (Std: 10)

GENDER DISCRIMINATION IN SOCIETY

India is a male dominant society. Men enjoy certain privileges over women. Birth of a boy is celebrated, whereas girl's birth is considered as a curse. It is pity that in a country where women are said to be worshipped, there is widespread discrimination. Even before they are born, injustice is meted out to them in this male chauvinistic world in varying degrees. Certain brutal practices like female feticide throw light on our attitude. The girl child is considered a Liability and doesn't enjoy the privileges of a boy. She is denied the advantages of proper education. The dowry system haunts parents and the harassment she is subjected to at the in-laws often force her to commit suicide. Even in enlightened homes, women have to live their life under surveillance, if not in strict 'purdah'. Working women are physically and verbally abused, denied opportunities of growth and subjected to discrimination. Social evils like dowry system, honour killing, human trafficking, societal dogmas, etc., take a toll on women. Only education and economic independence can empower women. Proper law making and execution, spreading awareness, exemplary punishment for the predators etc., surely will bring positive changes. Women need to be empowered instead of treating them as a helpless victim of male chauvinism. Let us live, let her live and let us help her live in better developed society.

Name :- Avani Sharma (Class 9th)

THE SPRING

When daisies pied, and violets blue,
And lady-smocks all silver-white,
And cuckoo-buds of yellow hue
Do paint the meadows with delight,
The cuckoo then, on every tree,
Mock married men, for thus sings he:
'Cuckoo’!
‘Cuckoo, cuckoo!' O word of fear,
Unpleasing to a married ear.
When shepherds pipe on oaten straws,
And merry larks are ploughmen's clocks,
When turtles tread, and rooks, and daws,
And maidens bleach their summer smocks,
The cuckoo then, on every tree,
Mocks married men, for thus sings he:
'Cuckoo!
Cuckoo, cuckoo!' O word of fear,
Unpleasing to a married ear.

By: - Jinal Sameerkumar Jaiswal (Std 9)

MY TEACHER

A teacher is very important in our life
A teacher brings good education & foundation for good habits.
My teacher guides me in education & life management.
A teacher who has full knowledge can guide the student to a bright carrier.
Teacher guiding me in all aspects of subject & it's important in life.
My teacher's method of teaching is very interesting & impressive.
Role of a good teacher in student life is very important.
My teacher teaches us all subjects lively even any boring subject is made very simple & interesting.
My teacher is very lovely & friendly with all of us.
The dress sense of my teacher is very acceptable & simple.
My teacher likes discipline & he/she loves those students who behave with discipline.
Sometimes my teacher gives us general knowledge & preparation for the quiz competition.
My teacher prepares us for any situation & examination.
My teacher never makes any difference between clever students & dull students.
My teacher never discourages any students. I respect my teacher for showing me the right path.

Purna Pandya (Class-VIII)

रचनात्मक अभिव्यक्ति

प्राथमिक विभाग

PRIMARY SECTION

पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ ,पेड़ लगाओ ,
हरा भरा जीवन बनाओ ।
छाया ये हमको देते हैं ,
फल ये हमको देते हैं ।
बाढ़ से हमको बचाते हैं ,
प्रदूषण दूर हटाते हैं ।
हम भी पेड़ लगाते हैं ।

काव्या
कक्षा - III

वर्षा रानी

वर्षा रानी वर्षा रानी ,
लेकर आओ अब तुम पानी ।
सूरज दादा बहुत तुम चमके ,
बिजली रानी आओ तुम धमके ।
बादल चाचा आओ चुपके ,
गर्मी से सब पौधे सूखे ।
बगियों के सारे फूल खिल आयें ,
और सारे मोर नाचे गायें ।
वर्षा रानी वर्षा रानी ,
आखिर तुम लेकर आई पानी ।

क्षितिज
कक्षा - III

सपना

कल रात देखा मैंने एक सपना ,
उस सपने कि थी बात निराली ।
बिना पंखों के ,मैं हूँ उड़ता ,
दुनिया भर कि सैर मैं करता ।
ऊंचे पर्वत ,नदी ,समंदर ,
सबको मैं पार करता ,
हुआ कठिन फिर सफर ये मेरा ,
पर मैंने ना हार मानी ,
उड़ता गया ,उड़ता गया ,
जब तक मिली न मंजिल मेरी ,
कल रात देखा मैंने एक सपना ,
हौसलों से भरा था मेरा सपना ।

अथर्व माहोर
कक्षा -5

प्यारी बहन

मेरी प्यारी बहन ,
मुझसे प्यार करती है ,
मेरे साथ खेलती है
मुझको बहुत सताती है
पहले खेलती है, फिर वो मुझसे लड़ती है ।
मम्मी से मेरी चुगली करती है ,
मुझको डाँट खिलाती है ।
पहले मारती है फिर सहलाती है ,
मेरी बहन मुझको प्यारी है ,
मेरी लाड़ -दुलारी है
हम एक -दूसरे के साथी है।

स्नेहा
कक्षा - 3

सूरज दादा

सूरज दादा का संदेश ,
धरती तक पहुँचाती धूप ।
सारे दिन यह हँसती गाती ,
शाम ढल छिप जाती धूप ।
कभी ठिठुराती इस धरती को ,
किरणों से नहलाती धूप ।
और कभी गुस्सा हो जाती ,
लू से हमे सताती धूप ।
पर्वत की ऊंची चोटी पर ,
मंद-मंद मुस्काती धूप ।
सारा जग आलोकित कर दो ,
सीख हमें सिखाती धूप ।

दिव्य
कक्षा - 3

टीचर

कितनी अच्छी मेरी टीचर ,
बड़े प्यार से मुझे सिखाती ,
कुछ गलती हो जाती मुझसे ,
बड़े प्यार से मुझे सिखाती ।
कुछ -कुछ बच्चे मस्ती करते ,
मेडम उनको डाँट लगाती ।
कितनी अच्छी मेरी टीचर ,
बड़े प्यार से मुझे सिखाती ।

मनस्वी दीपेश जाधव
कक्षा- 5

आम

स्वाद में खट्टा मीठा आम ,
बात हैं इसमें कोई खास,हर कोई देख इसे ललचाये ।
गर्मी का मौसम आता ,फलों का राजा कहलाना ।

वैशवी
कक्षा - 3

प्रदूषण

प्रदूषण -प्रदूषण की रट लगाने से -
अब कुछ नहीं होगा ।
इससे बचने के लिये हमें
अब कुछ करना होगा ।
प्रदूषण से रो रही हैं "धरती "
और नदियाँ परेशान हैं ,
वायु इतनी हो रही प्रदूषित,
कि रोए सारा जहान हैं ।
हमें हमारी धरा कह रही,
और नदियाँ कह रही पुकार।
मेरे वीर सपूतों जागो और-
करो प्रदूषण का संहार ।
अगर बचाना चाहते हो संसार ,
तो बनालो वृक्षारोपण को आधार ।

शौर्य यादव
कक्षा -5

गुब्बारे

रंग -बिरंगे गुब्बारे ,
लगते हैं ये प्यारे -प्यारे ।
कोई लंबा ,कोई गोल ,
कोई मोटा जैसे ढोल।
गैस भरा उड़ जाता जो ,
वे गुब्बारे मुझे दिला दो ।

साक्षी गोपे
कक्षा - 4

बादल

बादल बादल काले बादल,
आसमान में झूमते बादल ।
हल्के फुल्के रुई जैसे ,
आसमान में उड़ते बादल।
अलग -अलग रूप बदलते,
मेरे मन को भाये बादल ।
इधर उधर दौड़ लगाते ,
आपस में खेलते बादल।
सूरज से खेले आँखमिचौनी ,
इंद्रधनुष दिखलाते बादल ।
पानी की भरके पोटली ,
जगह- जगह बरसाते बादल ।
रिमझिम रिमझिम बरसे बादल,
धरती की प्यास बुझाते बादल।
गर्मी को करते अलविदा ,
धरती पर हरियाली लाते बादल।

Moksha
Class -4

WITH A FRIEND

I can talk with a friend ,
walk with a friend,
and share my umbrella in the rain.
I can play with a friend,
Stay with a friend ,
And learn with a friend and explain.
I can ride with a friend ,
And take pride with a friend.
A friend can mean so much to me.

Krutika
Class - 4

IF THEY COULD TALK

If a tree could talk,
What would it say -
Don't chop me down,
just walk away.
If a river could talk,
What would it say –
Don't dump it here,
throw it away
If the air could talk,
What would it say –
The factories must learn ,
To keep smoke away.
If the animals could talk ,
What would it say-
Protect me by making,
Every day Earth day.

AT SCHOOL

The school is waiting ,can't be late.
Hurry hurry half past eight.
Out the door and down the street,
Then softly and quietly take your street.
Good morning Good morning the school is begun.
Good morning ,Good morning isn't it fun.
Pencil's and crayons ,scissors and glue.
Erasers and paper, reading books too.
Good morning, Good morning isn't it fun,
Good morning ,Good morning isn't it fun.

Purva Jhadav
Class : IV

MY MOTHER MY LIFE

Red ,Blue, Pink and White,
You are beautiful and my life.
When I always close my eyes,
You stand with me all the time.
You make me happy all the time,
You are my sunshine and my life.
I always pray to God,,
He makes you happy all the time.
Oh! My mother you are my life.

Netra
Class : 5

LEAVES

We see orange leaves,

We see brown leaves.

We see leaves above our head,

We see leaves on the ground.

We see yellow leaves ,

We see red leaves.

We see leaves all around us.

Aum Sonavane

Class -5

MY BROTHER

One of my best friend is my brother.

He takes care of me and –

teach me in summer.

He hold my hand to cross the road

as he is my brother.

He play with me as-

He wants me to become a player.

I love him so much as –

He is my well wisher.

Swara

Class : 5

गतिविधियों की झलक

गतिविधियों की झलक

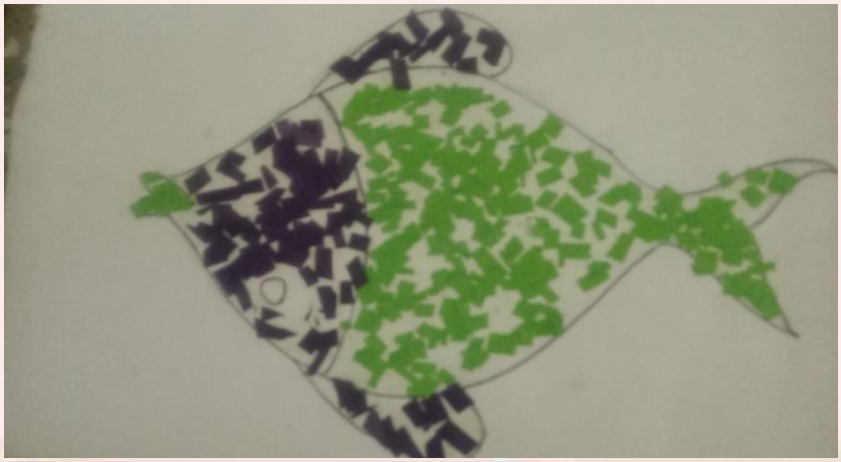

गतिविधियों की झलक

Online class activities

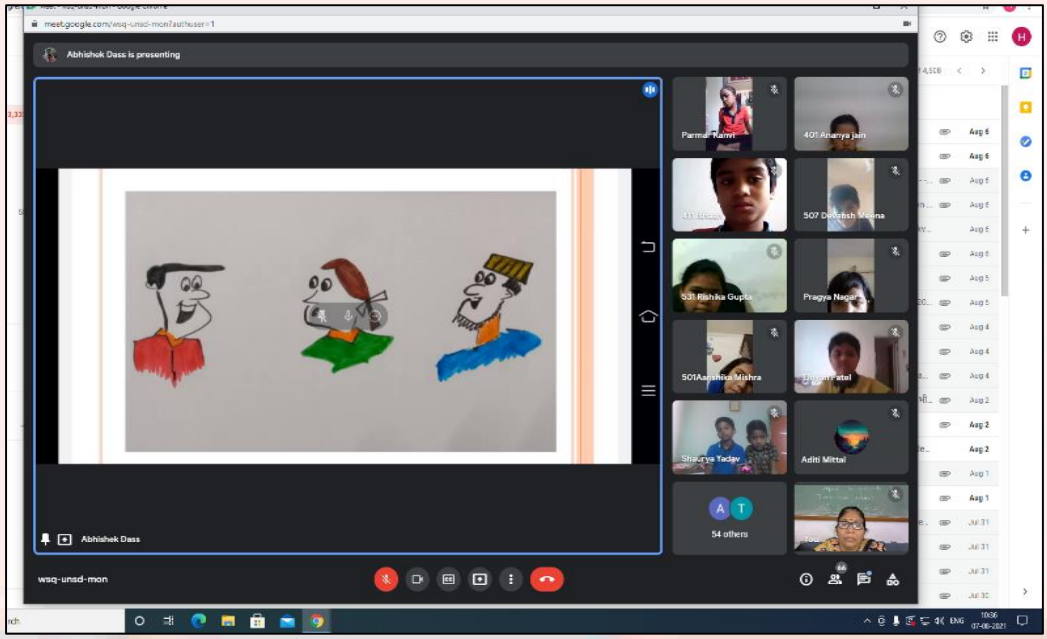

स्वागत गीत

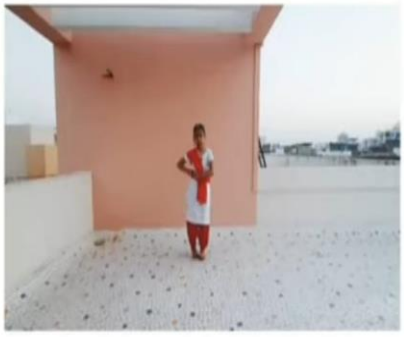

गतिविधियों की झलक

FUN WITH PAPERS

गतिविधियों की झलक

गतिविधियों की झलक

RANGOLI : CLASS II

CLASS : III

CLASS: IV

गतिविधियों की झलक

CLASS : V

ART OF STITCHING:

LEARNING BY DOING:

गतिविधियों की झलक

FANCY DRESS: CLASS : II

CLASS III

CLASS : IV

CLASS : V

गतिविधियों की झलक

बहुरूपी वेशभूषा

आदर्श - कक्षा 3

क्रिशा पारेख - कक्षा 3

आन्विका - कक्षा 3

मनस्वी - कक्षा 4

कोलाज

इशी झा - कक्षा 5

सुहेता - कक्षा 3

एसएसएस वासुप्रिया - कक्षा 5

स्पर्श - कक्षा 2

वेस्ट से बेस्ट चीज़ें

पूर्वा जाधव - कक्षा 3

निशित्र - कक्षा 2

आर्य-आर्वि - कक्षा 3

आदित्य - कक्षा 3

गतिविधियों की झलक

लोका - कक्षा 3 | प्रियांशी - कक्षा 2 | प्रगति - कक्षा 2

काव्या - कक्षा 2 | ईशान - कक्षा 4 | हेनिल - कक्षा 4 | आसिया - कक्षा 4

मिशिका - कक्षा 2 | ज़ीनत - कक्षा 2 | दिव्या - कक्षा 2 | हिरवा - कक्षा 2

सदा ही लहरता रहे ये तिरंगा हमारा , सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा ।

गतिविधियों की झलक

AWARENESS DRIVE

WATER CONSERVATION

DEMONSTRATION ON ORAL HYGIENE BY OUR GUEST DOCTORS

गतिविधियों की झलक

SERIES OF SCIENCE EXPERIMENTS BY OUR GUEST Mr. ABHISHEK DASS

ANNUAL PRIZE DISTRIBUTION 2021-22

गतिविधियों की झलक

GRANDPARENT'S DAY CELEBRATION

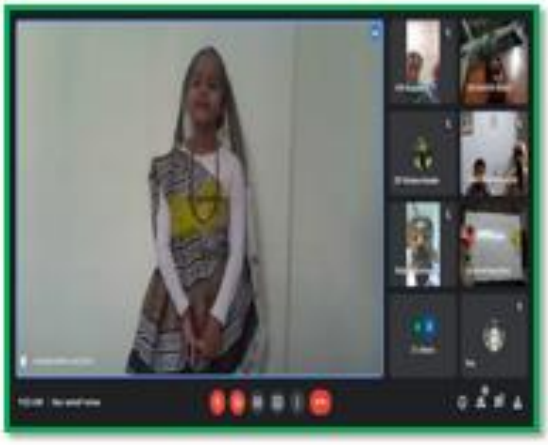

गतिविधियों की झलक

RESULT DECLARATION : BY ARYA RIDHI

ORIENTATION FOR THE NEW SESSION 2022-2023

विद्यालय परिवार

NAMASTE